राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 57 | जौनपुर शुक्रवार, 10 अक्टूबर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

निर्वाचन आयोग ने राजनीतिक दलों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित भ्रामक सामग्री से बचने की हिदायत दी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। निर्वाचन आयोग ने बिहार विधानसभा की घोषणा के साथ प्रभाव में आए आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) के तहत राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित सामग्री के दुरुपयोग से बचने की सख्त हिदायत दी है। आयोग ने बृहस्पतिवार को जारी बयान में कहा कि आदर्श आचार संहिता के प्रावधान इंटरनेट और सोशल मीडिया पर डाले जाने वाले सभी प्रचार–सामग्री पर भी लागू होते हैं। आयोग ने स्पष्ट किया कि अन्य दलों या उम्मीदवारों की आलोचना उनके नीतिगत रुख, कार्यक्रमों, कार्यों और पिछले रिकॉर्ड तक ही सीमित रहने चाहिए। आयोग ने कहा, ''दूसरे दलों या उनके कार्यकर्ताओं की आलोचना अपुष्ट आरोपों या तथ्यों को तोड़–मरोड़ कर पेश नहीं किए जाने चाहिए।'' निर्वाचन आयोग ने सभी दलों को आगाह किया कि "एआई" तकनीक का उपयोग कर "डीपफेक" या भ्रामक वीडियो तैयार करना और उन्हें सोशल मीडिया के जरिये प्रसारित करना चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता को प्रभावित कर सकता है। आयोग ने कहा कि चुनावी अखंडता की रक्षा के लिए ऐसे प्रयासों पर सख्त निगरानी रखी जा रही है। निर्देश के अनुसार, अगर कोई दल या उम्मीदवार अपने प्रचार में एआई–जनित, डिजिटल रूप से परिवर्तित या कृत्रिम सामग्री का उपयोग करता है, ।

सीबीआई ने सीजीएचएस बिल में अनियमितताओं के लिए कानपुर के दो अस्पतालों पर मामला दर्ज किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने कानपुर के दो अस्पतालों पर सीजीएचएस बिल और भुगतान में कथित अनियमितताओं के लिए मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि अस्पतालों ने ऐसे मरीजों के बिल जारी किए जो वहां भर्ती ही नहीं हुए थे। सीजीएचएस निदेशालय की एक जांच रिपोर्ट में घोर अनियमितताएं, उचित बुनियादी ढांचे की कमी और पैनल में शामिल करने के मानदंडों का उल्लंघन पाए जाने के बाद सीबीआई ने कानपुर के रजनी अस्पताल और टॉरस अस्पताल के खिलाफ मामला दर्ज किया है। केंद्र सरकार स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) केंद्र सरकार और कुछ स्वायत्त संगठनों के सेवारत और सेवानिवृत्त कर्मचारियों को रियायती उपचार प्रदान करती है, जिसके लिए पैनल में शामिल निजी अस्पतालों सहित सभी अस्पतालों को सरकार भुगतान करती है। सीजीएचएस निदेशालय ने जांच समिति गठित की थी जिसने रजनी अस्पताल में बुनियादी ढांचे की कमी, बुनियादी चिकित्सा सुविधाओं और महत्वपूर्ण उपकरणों की कमी का जिक्र था। अस्पताल बुनियादी स्वास्थ्य देखभाल मानकों को पूरा किए बिना सेवाएं दे रहा था, पैनल मानदंडों का उल्लंघन कर रहा था, फिर भी अधिक भुगतान के दावे पेश करता था और उसे बिना किसी उचित जांच के भुगतान किया जाता था।

कनेक्टिविटी और शहरी बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देगा नया एयरपोर्ट - पीएम मोदी

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एनएमआईए) का उद्घाटन किया, जो देश की सबसे महत्वाकांक्षी इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में से एक है और भारत की विमानन यात्रा में एक निर्णायक उपलब्धि का प्रतीक है। आरोपियों को किया गिरफ्तार उद्घाटन से पहले प्रधानमंत्री ने एयरपोर्ट का भ्रमण किया और उसकी अत्याधुनिक सुविधाओं का अवलोकन किया। इस दौरान उनके साथ महाराष्ट्र के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किन्जरापु, उपमुख्यमंत्री अजित पवार और एकनाथ शिंदे, केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोळ और अदाणी एयरपोर्ट्स के निदेशक जीत अदाणी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री ने एयरपोर्ट का मास्टर प्लान और तकनीकी विशेषताएं भी देखीं। संजय मोरे इसे लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट की तस्वीरें शेयर कीं। साथ ही उन्होंने कहा कि नवी मुंबई में नया हवाई अड्डा मुंबई महानगरीय क्षेत्र में कनेक्टिविटी और शहरी बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देगा। आज हवाई अड्डे के पहले चरण का उद्घाटन करते हुए मुझे खुशी हो रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, मुंबई का वर्षों पुराना इंतजार आज समाप्त हुआ है। अब मुंबई को उसका दूसरा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट मिल गया है। नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट इस पूरे क्षेत्र को एशिया का सबसे बड़ा कनेक्टिविटी हब बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। अच्छे दिन सिर्फ सपना शिवसेना (यूबीटी) उन्होंने कहा, श्यह एयरपोर्ट 'विकसित भारत' की परिकल्पना का सजीव उदाहरण है। यह छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमि पर बना है और इसका कमल–प्रेरित डिजाइन हमारी संस्कृति और समृद्धि का जीवंत प्रतीक है।

सीएम योगी, विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की करेंगे समीक्षा बैठक

झांसी, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हेलीकॉप्टर सुबह झांसी के कन्वेंशन सेंटर लैंड हुआ। यहां से सीधे सीएम काफिला के साथ भानू देवी गोयल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के लिये रवाना हो गये। कार्यक्रम में विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश की ओर से आयोजित क्षेत्रीय खेलकूद समारोह में विजेता टीम और खिलाड़ियों को सम्मानित करेंगे। यहीं पर सीएम का संबोधन भी होगा। दोपहर 12 बजे कन्वेंशन सेंटर के लिए रवाना होंगे। यहां पर वह 30 करोड़ की लागत से बने कन्वेंशन सेंटर की सौगात देंगे। कन्वेंशन सेंटर पहुंचने के बाद एक घंटे तक झांसी के विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक करेंगे। दोपहर 01:40 बजे कन्वेंशन सेंटर से हेलीकॉप्टर से सीएम योगी 21वीं बार झांसी आये हैं। उनके दूसरे कार्यकाल में यह चौथा दौरा है। सबसे पहले सीएम 20 अप्रैल 2017 को झांसी आए थे। पिछली बार 11 मार्च 2025 को सीएम का झांसी आगमन हुआ था। तब उन्होंने क्राफ्ट मेला मैदान में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना कार्यक्रम को संबोधित किया था। इसके अलावा अफसरों के साथ समीक्षा बैठक भी की थी। सीएम के आगमन के मद्देनजर कन्वेंशन सेंटर में हेलीपैड का निर्माण कराया गया था। इसके अलावा सेंटर के दूसरे छोर की सड़क भी बनकर तैयार हो गई। हालांकि, रुक–रुककर हुई बारिश के चलते कई बार काम रोकना भी पड़ा। दोपहर 12 बजे मुख्यमंत्री ने कन्वेंशन सेंटर के लिए प्रस्थान किया, जहाँ उन्होंने 30 करोड़ की लागत से बनाए जाने वाले कन्वेंशन सेंटर का उद्घाटन किया। यहाँ पहुँचने के बाद अब वे लगभग एक घंटे तक झांसी जिले के विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक करेंगे। सीएम के आगमन को ध्यान में रखते हुए कन्वेंशन सेंटर में हेलीपैड का निर्माण किया गया था। इसके अलावा, सेंटर के दूसरे छोर की सड़क भी तैयार कर दी गई थी।

जम्मू–कश्मीर की सुरक्षा पर आज उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गुरुवार को नई दिल्ली में जम्मू–कश्मीर की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए एक उच्च–स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे। जांच से जुड़ी पीआईएल पर सुप्रीम कोर्ट 10 अक्टूबर को करेगा सुनवाई इस बैठक का उद्देश्य सुरक्षा एजेंसियों के बीच तालमेल बढ़ाना और केंद्र शासित प्रदेश में चल रहे आतंकवाद–रोधी अभियानों की समीक्षा करना है। इस बैठक में जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और गृह मंत्रालय, खुफिया ब्यूरो, सेना, सीआरपीएफ, बीएसएफ और जम्मू–कश्मीर पुलिस के शीर्ष अधिकारियों के शामिल होने की उम्मीद है। मुख्य सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों सहित जम्मू–कश्मीर के शीर्ष अधिकारी बैठक में भाग लेने के लिए बुधवार शाम नई दिल्ली पहुंच गए हैं। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को अपने आधिकारिक ईमेल एड्रेस बदलने की जानकारी दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक आधिकारिक पोस्ट के जरिए कहा कि अब वे जीमेल के बदले जोहो मेल का इस्तेमाल कर रहे हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने आधिकारिक एक्स पोस्ट में लिखा, मैंने अपना ईमेल एड्रेस जोहो मेल पर स्विच कर लिया है। कृपया मेरे ईमेल पते में हुए बदलाव पर ध्यान दें। मेरा नया ईमेल एड्रेस अमितशाह डॉट बीजेपी एट द रेट जोहो मेल डॉट इन है। भविष्य में मेल के जरिए पत्राचार के लिए कृपया इसी पते का इस्तेमाल करें। इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद। टेंपरेरी रजिस्ट्रेशन रद्द, प्रवेश पास भी निरस्त जोहो मेल एक सुरक्षित और प्रोफेशनल ईमेल सेवा है, जो यूजर्स को बेहतर डेटा प्रबंधन और आसान मेलिंग अनुभव प्रदान करती है।

अब हम निवारक स्वास्थ्य सेवा और शीघ्र पहचान के बारे में सोचते हैं - जेपी नड्डा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने गुरुवार को किफायती और सुलभ स्वास्थ्य सेवा पर देश के फोकस पर जोर दिया और एक मजबूत व समावेशी स्वास्थ्य सेवा भविष्य की ओर भारत की यात्रा पर अपने विचार साझा किए। फिक्की हील 2025 कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, मंत्री महोदय ने कहा कि 2017 में हस्ताक्षरित स्वास्थ्य नीतियों के माध्यम से देश का उद्देश्य निवारक स्वास्थ्य सेवा और शीघ्र पहचान को बढ़ावा देना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत ने 1998 से प्रतीक्षा के बाद 2017 में एक नई स्वास्थ्य नीति विकसित की, जब इसे अंतिम बार विकसित किया गया था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस स्वास्थ्य नीति पर केवल निर्माण भवन में निर्णय या चर्चा नहीं की गई, बल्कि इसमें सभी हितधारकों को शामिल किया गया। उन्होंने कहा कि 2017 में, हमने सभी हितधारकों के साथ विचार–विमर्श के बाद एक नई स्वास्थ्य नीति विकसित की। इससे जो बदलाव आया है वह यह है कि अब हम निवारक स्वास्थ्य सेवा और शीघ्र पहचान के बारे में सोचते हैं। जब हम सुलभ स्वास्थ्य सेवा की बात करते हैं, तो हमने समान, सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सेवा के लिए 1. 7 लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित करके स्वास्थ्य सेवा के आधार का विस्तार किया है। देश में चिकित्सा योजनाओं के बारे में विस्तार से बोलते हुए, मंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि आयुष्मान भारत योजना दुनिया का सबसे बड़ा स्वास्थ्य कवरेज कार्यक्रम बन गया है। उन्होंने कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा स्वास्थ्य कवरेज कार्यक्रम, जिसमें 5 लाख रुपये के स्वास्थ्य कवर के साथ 62 करोड़ से अधिक लोग शामिल हैं और अब इसमें 70 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए विशेष प्रावधान शामिल हैं। अन्य योजनाओं की उपलब्धता पर जोर देते हुए, नड्डा ने कहा कि जन औषधि योजना ने भी लोगों के लिए दवाइयाँ सस्ती कर दी हैं।

सबरीमाला मंदिर में द्वारपालक मूर्तियों की सोने की परत को लेकर नया खुलासा

तिरुवनंतपुरम। केरल के सबरीमाला मंदिर में द्वारपालक मूर्तियों पर चढ़ाई गई स्वर्ण–पल्लवन (सोने की परत) में कथित अनियमितताओं को लेकर राज्य भर की राजनीति में जबरदस्त गर्माहट तेज है। वहीं इस राजनीतिक गर्माहट की गूंज बीते कुछ दिनों से विधानसभा में भी सुनने को मिल रहा है। फलस्वरूप केरल विधानसभा में गुरुवार को लगातार चौथे दिन विपक्ष के विरोध के चलते कार्यवाही बाधित रही। इसके चलते कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) के तीन विधायकों को मौजूदा सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया। निलंबित किए गए विधायकों में रोजी एम जॉन, एम विन्सेंट और सनीश कुमार जोसेफ शामिल हैं। इन तीनों पर विधानसभा के नियमों का उल्लंघन करने का आरोप है। इसके बाद विधानसभा में विपक्षी विधायकों के व्यवहार को लेकर संसदीय कार्य मंत्री एम बी राजेश ने प्रस्ताव रखा कि नियमों के उल्लंघन के चलते इन विधायकों को मौजूदा सत्र से निलंबित किया जाए और साथ ही इस प्रस्ताव को सदन ने पारित कर दिया। बता दें कि जब यह प्रस्ताव सदन में पारित किया गया, तब विपक्ष के सदस्य सदन से बाहर थे। दरअसल, विपक्ष ने सुबह की कार्यवाही का बहिष्कार किया था। उनका आरोप है कि सबरीमाला के प्रसिद्ध अयप्पा मंदिर में द्वारपालक (रक्षक देवता) की मूर्तियों पर सोने की परत चढ़ाने में भारी अनियमितताएं हुई हैं। विपक्ष का कहना है कि अयप्पा मंदिर की मूर्तियों पर सोने की परत चढ़ाने के काम में घोटाला हुआ है और इसमें गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। इस मुद्दे पर जवाबदेही तय करने और जांच की मांग को लेकर विपक्ष लगातार विधानसभा में प्रदर्शन कर रहा था। यूडीएफ नेताओं ने निलंबन को तानाशाही करार दिया और सरकार पर भ्रष्टाचार छिपाने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि जब भी वे जनता के मुद्दे उठाते हैं, सरकार असहमति को दबाने की कोशिश करती है। इस घटनाक्रम के बाद अब विधानसभा में विपक्ष और सरकार के बीच टकराव और गहराने की आशंका है। उधर, सबरीमाला मंदिर की द्वारपालक मूर्तियों पर चढ़ाई गई सोने की परत में कथित गड़बड़ियों को लेकर जांच तेज हो गई है।

क्षेत्रीय चुनौतियों से निपटने के लिए राजनाथ सिंह ने की ऑस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्री से बात

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज और उप–प्रधानमंत्री व रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस के साथ मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। राजनाथ सिंह ने अपनी इन बैठकों की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की। रक्षा मंत्री ने अपने पहले पोस्ट में लिखा, कैनबरा में ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज के साथ शानदार मुलाकात हुई। उन्होंने भारत के साथ अपने गहरे जुड़ाव को बड़े स्नेह के साथ याद किया। मुझे विश्वास है कि भारत–ऑस्ट्रेलिया द्विपक्षीय संबंध और अधिक गहरे व मजबूत होंगे। दूसरे पोस्ट में उन्होंने रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस के साथ बैठक का जिक्र करते हुए लिखा, ऑस्ट्रेलिया के उप–प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस के साथ एक सार्थक बैठक हुई। हमने रक्षा उद्योग, साइबर सुरक्षा, समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय चुनौतियों सहित भारत–ऑस्ट्रेलिया रक्षा सहयोग के सभी आयामों की समीक्षा की। पुनरू पुष्टि की। उन्होंने कहा, मैंने भारत के रक्षा उद्योग के तेजी से हो रहे विकास और वैश्विक स्तर पर उच्च गुणवत्ता वाली रक्षा तकनीक के विश्वसनीय स्रोत के रूप में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा पर प्रकाश डाला। हमने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रक्षा उद्योग में गहरी साझेदारी की संभावनाओं पर भी चर्चा की। राजनाथ सिंह ने सीमा पार आतंकवाद से निपटने और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए ऑस्ट्रेलिया के दृढ़ समर्थन की सराहना की। उन्होंने कहा, हम मिलकर एक स्वतंत्र, खुला और लचीला हिंद–प्रशांत क्षेत्र सुनिश्चित करने के लिए अपने सहयोग को और गहरा करेंगे।

बिहार में सीट बंटवारे पर खटपट के बीच चिराग पासवान का बीजेपी को संदेश

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को एक तीखा चेतावनी देते हुए कहा कि जब तक वह केंद्रीय मंत्री हैं, तब तक उनके पास मंत्रालय की जिम्मेदारियाँ भी हैं। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में सीटों के बंटवारे को लेकर खींचतान चल रही है। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री पासवान से जब पत्रकारों ने बिहार चुनाव के लिए एनडीए के बीच सीट बंटवारे के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि बातचीत चल रही है... मेरे पास अन्य जिम्मेदारियां भी हैं। जब तक मैं एक मंत्री हूं...उसकी भी जिम्मेदारी है। मैं इस समय मंत्रालय जा रहा हूं। पासवान की इस टिप्पणी को बिहार चुनावों में उनकी पार्टी लोजपा (रामविलास) के लिए और सीटें माँगने के लिए दबाव बनाने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। 2024 के लोकसभा चुनावों में अपनी पार्टी की सफलता से उत्साहित, जहाँ लोजपा (रामविलास) ने अपनी लड़ी हुई सभी पाँच सीटें जीतीं, पासवान 40 से 50 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहते हैं, लेकिन भाजपा ने उन्हें लगभग 20 सीटों की पेशकश की है। गौरतलब है कि पासवान की पार्टी ने 2020 के बिहार चुनावों में अकेले चुनाव लड़ा था और 137 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे, जिनमें से ज्यादातर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जनता दल–यूनाइटेड (जद–यू) के खिलाफ थे।

मोदी के बयान पर चिदंबरम का पलटवार, यूपीए के बचाव में उतरे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 26ध्11 के मुंबई आतंकवादी हमलों पर भारत की प्रतिक्रिया को पर्याप्त मजबूत न बताने की टिप्पणी के एक दिन बाद, कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने पलटवार करते हुए कहा कि मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार ने भारत के सबसे भीषण आतंकवादी हमलों में से एक के सामने संयम, परिपक्वता और जिम्मेदारी से काम लिया था। पर एक विस्तृत पोस्ट में, चिदंबरम ने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह और सरकार ने अत्यंत संयम और परिपक्वता से काम लिया। यह सही फैसला था और इसने दुनिया का सम्मान अर्जित किया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि 2008 में सरकार के संयमित दृष्टिकोण ने क्षेत्र में बड़े पैमाने पर तनाव को रोका और यह सुनिश्चित किया कि भारत एक जिम्मेदार लोकतंत्र के रूप में अपनी वैश्विक स्थिति बनाए रखे। प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को कहा था, ष्26ध्11 के हमलों के बाद पूरा देश गुस्से में था। लेकिन उस समय भारत की प्रतिक्रिया कड़ी होनी चाहिए थी। आज का भारत आतंकवाद का जवाब दृढ़ता से और उसके स्रोत पर देता है।ष मोदी का यह बयान राष्ट्रीय सुरक्षा और आतंकवाद–निरोध के प्रति भारत के बदलते दृष्टिकोण पर उनकी व्यापक टिप्पणियों का हिस्सा था। इन टिप्पणियों ने भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक वाकयुद्ध को जन्म दे दिया है। सत्तारूढ़ पार्टी ने दोहराया है कि यूपीए सरकार 2008 के हमलों के बाद निर्णायक सैन्य प्रतिक्रिया देने में विफल रही, जबकि कांग्रेस नेताओं ने पूर्ववर्ती प्रशासन की कूटनीतिक और सुरक्षा कार्रवाइयों का बचाव किया है। यह बातचीत 26/11 के हमलों की बरसी से पहले हुई है, जिसमें पाकिस्तान से आए दस आतंकवादियों ने मुंबई में समन्वित हमले किए थे, जिसमें 166 लोग मारे गए थे और 300 से ज्यादा घायल हुए थे।

संपादकीय

कठघरे में निगरानी व्यवस्था

कफ सिरप से मौतों की खबरें भी हाल के वर्षों में सुर्खियों में रही हैं। इसी तरह अस्पतालों में अग्निकांड का सिलसिला भी लंबा होता गया है। ऐसी घटनाओं में एक समान पहलू नियामक संस्थाओं की गैर–जिम्मेदारी रहा है। जयपुर के सवाई मान सिंह अस्पताल में हुए हृदयविदारक अग्निकांड ने देश में निरीक्षण और निगरानी की कमजोर पड़ती जा रही व्यवस्था को फिर उजागर किया है। यह घटना उस समय हुई है, जब कई राज्यों में कफ सिरप के सेवन से दर्जन भर से अधिक बच्चों की मौत की खबरों से देश हिला हुआ है। ये मौतें भी इसीलिए हुईं, क्योंकि दवा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने का कार्य देश में पर्याप्त चुस्ती नहीं हो रहा है। गौरतलब है कि जयपुर के जिस अस्पताल में अग्निकांड हुआ, वह सरकारी हैय जबकि तमिलनाडु की जिस कंपनी ने कोल्ड्रिफ नाम का कफ सिरप बनाया, वह प्राइवेट सेक्टर की है। मतलब यह कि सेक्टर चाहे जो हो, वहां ऐसे मामलों में भी लगातार लापरवाही बरती जा रही है, जिनका संबंध सीधे इनसान की जान से है। अगंभीर नजरिये का आलम यह है कि कोल्ड्रिफ पीने से मौतों की खबर आने के तुरंत बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस कफ सिरप में डाइथीलीन ग्लाइकोल मौजूद होने का खंडन कर दिया। लेकिन जब राजस्थान और मध्य प्रदेश (जहां सबसे ज्यादा मौतें हुई हैं) में बेचे गए सिरप के नमूनों की जांच तमिलनाडु में हुई, तो इस हानिकारक तत्व की मौजूदगी की पुष्टि हुई। यह अंतर क्या बताता है? यही कि अधिकारियों की आरंभिक कोशिश किसी गंभीर मामले को भी रफा–दफा करने की होती है। स्पष्टतरू ऐसे नजरिए से मिलावट या गुणवत्ता से अन्य समझौते कर मुनाफा बढ़ाने की होड़ में लगे धंधेबाजों का मनोबल बढ़ता है। ऐसी घटनाएं इतनी अधिक हो चुकी हैं कि अब इन्हें मानवीय भूल या इक्का–दुक्का चूक बता कर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारतीय कफ सिरप से कई दूसरे देशों में मौतों की खबरें भी गुजरे वर्षों में सुर्खियों में रहीं। इसी तरह अस्पतालों में अग्निकांड का सिलसिला भी लंबा होता गया है। इसके मद्देनजर ऐसी घटनाओं को अलग करके नहीं देखा जाना चाहिए। इन सब में समान पहलू नियामक संस्थाओं की गैर–जिम्मेदारी है। इसे तुरंत दुरुस्त करने की आवश्यकता है। नियमों पर अमल सुनिश्चित कराने का सख्त अभियान तुरंत छेड़ा जाना चाहिए, वरना देश में किसी की जिंदगी सुरक्षित नहीं रह जाएगी।

कुछ पता तो करो चुनाव है

सियासत की जिस चालाकी को राहत इंदौरी साहब ने बहुत पहले भांप लिया था, वह अब भी कायम है, बल्कि पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। अब सरहदों पर ही नहीं, देश के भीतर भी चुनाव आते ही तनाव बनाए जाने की शुरुआत हो जाती है। कुछ वक्त पहले बरेली में आई लव मोहम्मद के पोस्टर पर ऐसा बवाल खड़ा हो गया कि जुमे की नमाज का वक्त तनावपूर्ण हो गया। अपने आराध्य से प्रेम का इजहार कोई नयी बात नहीं है। गोरी सोवै सेज पर, मुख पर डारे केस। चल खुसरो घर आपने, रैन भई चहुं देस, से लेकर मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरो न कोई, जाके सर मोर मुकुट मेरो पति सोई, जैसे भक्तिपद इस देश में सदियों से लिखे जाते रहे और इन पर कभी किसी ने कोई आपत्ति नहीं की। न ही कभी दूसरे की भक्ति का मखौल बनाने के लिए अपने आराध्य से मोहब्बत दिखाई गई। लेकिन अब आई लव मोहम्मद को जवाब देने के लिए आई लव विष्णु, आई लव राम, यहां तक कि आई लव योगी और आई लव बुलडोजर तक के पोस्टर बन गए। हालांकि ऐसा करने वाले लोग इस बात को समझ नहीं पाए कि नफरत दिखाने के लिए भी उन्हें मोहब्बत का ही सहारा लेना पड़ा। बहरहाल, नफरत बनाम मोहब्बत के इस सियासी खेल में भावनाओं की नहीं सत्ता साधने की चालाकी नजर आ रही है।पाठक जानते हैं कि कर्नाटक चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी ने बजरंग दल पर प्रतिबंध को बजरंग बली के अपमान से जोड़ा था और मतदाताओं से अपील की थी कि बजरंग बली के नाम पर ही वोट दें। हालांकि उनकी ये अपील कर्नाटक के लोगों ने नहीं सुनी। अन्य राज्यों में भी श्री मोदी ऐसे ही भड़काऊ अपीलें कर चुके हैं। कपड़ों से पहचानना और श्मशान–कब्रिस्तान इस देश के लोगों को याद है। पिछले झारखंड चुनावों में बांग्लादेशी घुसपैठियों के नाम पर मुसलमानों के कब्जे वाला एक वीडियो भाजपा ने जारी किया था, जिसमें शिकायत के बाद रोक लगी थी। अब ऐसे ही सांप्रदायिक नफरत वाला वीडियो असम में प्रसारित हो रहा है, जहां अगले साल चुनाव है। वैसे कुछ दिनों में बिहार चुनाव भी है, जहां भाजपा हिंदुत्व का कार्ड चालाकी से खेल रही है, लेकिन विपक्ष में बैठे महागठबंधन और खासकर लालू प्रसाद की आरजेडी के सामने उसे सांप्रदायिक खेल खेलने के लिए खुला मैदान नहीं मिल रहा है।मगर असम में भाजपा ने ये खेल अभी से शुरु कर दिया है। एक वीडियो अभी वहां सोशल मीडिया पर काफी चला, जिसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से तैयार किया गया है। इसमें असम पर मुस्लिम लोगों द्वारा श्कब्जाश किए जाने का एक मनगढ़ंत और अपमानजनक परिदृश्य दिखाया गया है और इसे उस कथित भविष्य से जोड़ा गया है जो भाजपा के आगामी चुनाव हारने पर घटित हो सकता है। इस वीडियो को हटाने के लिए कु बर्बान अली और वरिष्ठ अधिवक्ता अंजना प्रकाश ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की, जिस पर बुधवार को सुनवाई हुई। लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार, जस्टिस विक्रमनाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने भाजपा की असम इकाई से इस पर जवाब मांगा है। याचिका में कहा गया है कि भाजपा असम इकाई ने 15 सितंबर 2025 को अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक वीडियो प्रसारित किया, जिसमें यह श्भ्रामक और झूठा नैरेटिवश दिखाया गया कि यदि भाजपा सत्ता में नहीं रही तो मुसलमान असम पर कब्जा कर लेंगे। याचिकाकर्ताओं ने अदालत में कहा कि, श्आगामी चुनावों के सिलसिले में एक वीडियो पोस्ट किया गया हैश इसमें दिखाया गया है कि अगर एक खास राजनीतिक दल सत्ता में नहीं आता है, तो एक खास समुदाय सत्ता संभालेगाश इसमें टोपी और दाढ़ी वाले लोग दिखाई दे रहे हैंश (अदालत के निर्देशों के अनुसार) स्वतरू संज्ञान लेते हुए एफआईआर दर्ज की जानी चाहिएश अगर एफआईआर दर्ज नहीं की जाती है, तो अवमानना की कार्रवाई की जानी चाहिए।श याचिका में तर्क दिया गया कि राज्य सरकार सभी समुदायों की संरक्षक होती है और संविधान उसे धर्म, जाति, भाषा, लिंग या नस्ल के आधार पर भेदभाव करने से स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित करता है, इस प्रकार एक निर्वाचित सरकार पर निष्पक्ष, न्यायसंगत और धर्मनिरपेक्ष बने रहने का दायित्व और भी अधिक होता है। इस वीडियो को तुरंत हटाया जाना आवश्यक है ताकि सांप्रदायिक वैमनस्य, अशांति और नफरत के और प्रसार को रोका जा सके। अब इस पर अगली सुनवाई 27 अक्टूबर को होगी।इस सुनवाई का नतीजा चाहे जो निकले, लेकिन भाजपा तो अभी से समाज को यह फैसला सुनाने का माहौल बना रही है ।

बिहार में बजा चुनावी बिगुल, किसकी पूरी होगी आस, किसकी टूटेगी उम्मीद

उमेश

हर बार की तरह बिहार विधानसभा का मौजूदा चुनाव उन सभी लोगों के लिए उम्मीदें लेकर आया है, जो खुद चुनाव मैदान में उतरने जा रहे हैं.. उनके समर्थकों की भी उनकी कामयाबी से आस लगी है।

कार्यकर्ताओं का बड़ा वर्ग ऐसा भी है, जिसकी सेहत उस दल की जीत या हार पर निर्भर करती है, जिससे उसकी प्रतिबद्धता जुड़ी होती है। लेकिन सबसे ज्यादा उम्मीद पहली बार खुद चुनावी मैदान में उतरने जा रहे प्रशांत किशोर को है। उम्मीद तो तेजस्वी यादव को भी है। उन्हें लगता है कि इस बार उनके नाम के बाद अतीत में लगे उप विशेषण से मुक्ति मिल जाएगी। उम्मीद उस बीजेपी को भी है, जो अपने सहयोगी की तुलना में संख्या बल में ताकवतर होने के बावजूद छोटे भाई की भूमिका निभाने को मजबूर रही है। आस तेजप्रताप को भी है कि वे लालू–राबड़ी की छाया से दूर होने के बावजूद चुनावी मैदान में कमाल दिखाने में वे सफल रहे हैं। देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस को भी ऐसी ही उम्मीदें हैं। उसे भावी सरकार में हिस्सेदारी की आस है। लेकिन अन्य दलों की तुलना में उसकी उम्मीद कुछ अलग भी है। उसे लगता है कि अगर इस चुनाव में तेजस्वी की अगुआई वाले उसके गठबंधन ने मोदी–नीतीश की जोड़ी को पटखनी दे दी तो दिल्ली के ताज तक की उसकी यात्रा आसान हो जाएगी। उम्मीदें खोखली नहीं होतीं। उनका कुछ ठोस आधार भी होता है। इस लिहाज से देखें तो हर पार्टी और उसके बड़े नेताओं की आस के कुछ ठोस आधार हैं। तेजस्वी यादव को लगता है कि उनके गठबंधन में शामिल कांग्रेस के चलते उनके पारंपरिक मुस्लिम–यादव गठजोड़ को राज्य के सवर्ण तबके के एक वर्ग का वोट मिल सकता है। पिछले चुनाव में उनका गठबंधन नीतीश की अगुआई वाले गठबंधन की तुलना में महज साढ़े सोलह हजार के करीब वोटों से ही पिछड़ गया था। उन्हें लगता है कि इस बार इस कमी को ना सिर्फ उनका गठबंधन पूरा कर लेगा,बल्कि आगे भी निकल जाएगा। लेकिन उन्हें भूलना नहीं चाहिए कि पिछली बार चिराग पासवान की अगुआई वाली लोक जनशक्ति पार्टी एनडीए से अलग होकर लड़ रही थी। तब उनका अघोषित और घोषित–दोनों उद्देश्य नीतीश कुमार को पटखनी देना था। इसमें वे पूरी तरह कामयाब तो नहीं हुए, अलबत्ता नीतीश के नतीजों को नुकसान पहुंचाने में कामयाब रहे। नीतीश की पार्टी को महज 43 सीटों से संतोष करना पड़ा था। लेकिन इस बार चिराग नीतीश के साथ हैं। अंदरखाने में भले ही वे नीतीश का साथ नहीं दे रहे हों, लेकिन करीब दस फीसद पासवान वोटरों का आधार एनडीए को मुहैया करा रहे हैं। इसलिए तेजस्वी को इस बार कहीं ज्यादा मेहनत करनी होगी। उन्हें राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के ठोस वोट बैंक में गहरी सेंध लगानी होगी। तेजस्वी के लिए राहत की बात यह है कि सीमांचल की 28 सीटों पर उन्हें चुनौती देने वाली एआईएम इस बार उनसे गठबंधन करने के लिए लालायित है। अगर बात बन जाती है तो तेजस्वी के गठबंधन के लिए चुनावी वैतरणी थोड़ी आसान हो जाएगी। लेकिन तेजस्वी की राह का एक बड़ा रोड़ा उनके बड़े भाई तेजप्रताप हैं। जिन्हें उनकी दो बहनों का परोक्ष साथ भी मिल रहा है। इससे बिहार के उनके कोर वोटरों में संदेश गया है कि परिवार में सबकुछ ठीक नहीं है। अगर तेजस्वी के साथ यादव युवाओं का एक वर्ग खड़ा हो गया तो ओबैसी के आने से मिलने वाले फायदे जितना तेजस्वी को नुकसान उठाना पड़ सकता है। रही बात नीतीश कुमार की तो इस बार का चुनाव एक तरह से उनका आखिरी चुनाव है। हालांकि पिछली बार यानी 2020 में जब वे चुनावी चक्रव्यूह में फंसे नजर आ रहे थे तो उन्होंने कुछ सभाओं में पिछले ही चुनाव को आखिरी बता दिया था। यह बात और है कि इस बार अभी तक ऐसा उन्होंने कोई संदेश नहीं दिया है। लेकिन बिहार के सियासी और लोक गलियारों में जिस तरह उनके स्वास्थ्य को लेकर चर्चाएं हैं, उससे माना जा रहा है कि इस बार का चुनाव एक तरह से उनका आखिरी चुनाव होगा। राजनीतिक दुनिया में यह भी माना जा रहा है कि इस बार वे बीजेपी से यह गारंटी चाहेंगे कि उनके बेटे निशांत का नेतृत्व स्थापित हो जाए। निशांत ने कुछ महीने पहले राजनीतिक सक्रियता दिखाकर ऐसा संकेत भी दिया था। हालांकि कुछ अरसे से उन्होंने सियासी चुप्पी ओढ़ ली है। उनके इस रूख से माना जा रहा है कि बीजेपी से अंदरखाने में किसी ठोस बिंदु पर बातचीत हो चकी है। हो सकता है कि निशांत विधानसभा का चुनाव ना लड़ें। लेकिन वे चुनाव बाद विधान परिषद में ठीक उसी तरह आ सकते हैं, जैसे उनके पिता आए। याद कीजिए, 2005 के जिस विधानसभा चुनाव में विजय के साथ नीतीश ने लालू राज को उखाड़ फेंका था, उस बार भी उन्होंने चुनाव नहीं लड़ा था और विधान परिषद के सदस्य के नाते उन्होंने सरकार की अगुआई की थी। इस बार के चुनाव में जनता दल यू एकजुट तो दिखेगा, लेकिन चुनाव मैदान में सबसे ज्यादा सवालों का सामना अशोक चौधरी को करना होगा। जिनके भ्रष्टाचार की गाथा को प्रशांत किशोर लोकमानस के बीच पहुंचा चुके हैं। उनकी ही तर्ज पर बीजेपी की ओर से उप मुख्यमंत्री बने मुरेठाधारी सम्राट चौधरी के लिए भी खुद का बचाव करना मुश्किल होगा, जिनके शैक्षिक प्रमाण पत्र और हत्या के एक आरोप में बरी होने को प्रशांत किशोर ने बिहार का सवाल बनाकर रख दिया है। बीजेपी इस बार चाहती है कि वह राज्य में बच्चे भाई की भूमिका में रहे। बड़े भाई की भूमिका में आने के बाद ही वह राज्य की सर्वोच्च पार्टी बन सकती है। 1967 में समाजवादियों के साथ उसने जहां भी सरकार बनाई, उन राज्यों में बाद के दिनों में वह ना सिर्फ नंबर एक बन गई,।

बिना जीवनी जाने कैसे आई लव मुहम्मद

शंकर शरण

अधिकांश मुसलमान भी मुहम्मद को पूरा नहीं जानते। ज्जब उन्हें सब के लिए हर विषय में अनुकरणीय बताया तो उन के जीवन की पूरी जानकारी लेना लाजिम हो जाता है। वरना अनुकरण कैसे होगा?ज्विचारशील मुसलमान भी समझते हैं कि ऐसे प्रोफेट को पूरी मानवता के लिए श्अनुकरणीयश बताना बेढब है! इसीलिए मुस्लिम नेता और उलेमा मुहम्मद की चर्चा से ही बचना चाहते हैं। पर श्आई लव मुहम्मदश ने उस की चर्चा अनिवार्य बना दी। मुहम्मद से मुहब्बत? पहले उन्हें जानें (2) इस्लाम पूरी तरह गैर–मुस्लिमों के प्रति विरोध–भाव पर केंद्रित है। काफिर–विरोध ही इस्लाम की टेक है। पूरी दुनिया को हर हाल में इस्लामी बनाने के उसूल का मतलब ही है सभी गैर–इस्लामी तत्व मिटाना। सो, श्घोड़ा घास से यारी कैसे करेय वाली बात है। इसीलिए जिस समाज में गैर–मुस्लिम और मुस्लिम दोनों हों, वहाँ शान्ति सदैव अस्थाई रही है। एक बड़े भारतीय मौलाना ने मुस्लिमों के किसी सवाल पर कहा था कि यदि किसी विषय में समझ न आए कि क्या करना जायज होगा, तो उस पर काफिर जो करते हैं उस का उल्टा करो। आखिर, मुहम्मद ने ही मुसलमानों को कहा थारू मूँछें मुड़वा लो और दाढ़ी बढ़ा लोय ताकि मूर्तिपूजकों से अलग दिखो। बस, यही कारण था। कुरान भी आधे से अधिक यही है कि काफिर बुरे, गंदे, और घृणित हैं। उन के लिए एक भी अच्छा शब्द उस में नहीं। वही मुहम्मद पूरी मानवता के लिए अनुकरणीय, और श्अंतिमश्य प्रोफेट भी हैं। यह उन का केंद्रीय दावा है उसी से जुड़ी इस्लाम की श्अखीरतश्य और श्कयामतश्य की धारणा है। यानी दुनिया का अंत बहुत निकट है, यह कुरान में बार–बार दुहराई गई बात है पर वह गलत साबित हुई। कुरान में दर्ज मुहम्मद के उस कथन के बाद दुनिया चौदह सदियों से चल रही है। जब कि मुहम्मद के अनुसार अंत तभी करीब था। वह अपने सामने के लोगों को चेतावनी दे रहे थे। वह आसन्न अंत की बात थी, न कि हजारों साल बाद। वरना तब मौजूद लोगों को वह चेतावनी अनर्गल होती! सो, मुहम्मद की वह बात गलत निकली। अतरू जब कयामत नजदीक नहीं थी, तो वह प्रोफेट भी अंतिम नहीं हो सकते। कुरान के ही अनुसार पहले दर्जनों प्रोफेट हुए। तब आगे नहीं होंगे, इस की यही दलील थी कि दुनिया का ही अंत होने वाला है। यदि दुनिया खत्म नहीं होने वाली थी, जो गत चौदह सौ सालों से प्रमाणित है, तो इस्लाम के प्रोफेट भी आखिरी नहीं हो सकते। यही बाद के इतिहास ने भी दिखाया। प्रोफेट की धारणा न इस्लाम से आरंभ हुई, न इस्लाम को उस का श्अंतश्य करने का अधिकार था। प्रोफेट का सदैव अर्थ था –दृ ईश्वरीय प्रेरणा से बोलने वाला, ईश्वर की चर्चा करने वाला, भविष्य की बातें बताने वाला, लोगों को ज्ञान देने वाला, आदि। सो मुहम्मद के बाद, अपने जीवन काल में ही सैकड़ों गुने अधिक अनुयायियों वाले प्रोफेट, यानी दैवी प्रेरणा वाले लोग अनेक देशों में होते ही रहे। जैसे, रूस में संत बोरिस, ब्लेस्ड मैर्त्योनाय भारत में आदि शंकर, गुरु रामानन्द, गुरु नानक, चौतन्यय तिब्बत के दलाई लामाय आदि के लाखों–लाख शिष्य हुए हैं। इतने अनुयायी मुहम्मद को तमाम जीत, लूट का माल बाँटने, जन्नत के प्रलोभन, जहन्नुम की धमकी, जोर–जबर्दस्ती, आदि के बाद भी हासिल नहीं हो सके थे। मुहम्मद की मृत्यु के समय मोटे तौर पर उनके एक लाख अनुयायी थे। सो, जिन्हें तमाम पश्चिमी भाषाओं में श्प्रोफेटश्य कहा गया, यहाँ आदिशंकर, रामानन्द, गुरू नानक, चौतन्य, रामकृष्ण परमहंस, आदि वैसे ही महापुरुष थे। यह सब मुहम्मद के बाद हुए। अतरू मुहम्मद आखिरी प्रोफेट नहीं थे। उन का यह दावा भी गलत सिद्ध हुआ। वस्तुतरू अधिकांश मुसलमान भी मुहम्मद को पूरा नहीं जानते। विशेषकर, गैर–अरब मुसलमान। मूल अरबी इस्लामी पुस्तकों के अनुवादों में बहुत सी बातें काफी नरम और अर्थांतर की हुई मिलती हैं। यह अरब लेखिका वफा सुल्तान ने अपनी पुस्तक में उदाहरण देकर दिखाया है। ऊपर से, भारतीय–पाकिस्तानी मुस्लिमों को अनेक मनगढ़ंत बातें भी बताई जाती रही हैं। यह भारतीय मौलानाओं ने यहाँ की स्थिति देखते हुए किया, जहाँ महान श्प्रोफेटोंश्य की गौरवशाली परंपरा है। पाकिस्तानी लेखक हैरिस सुल्तान ने बचपन में मुहम्मद के बारे में सुनी ऐसी मधुर कहानियों के उदाहरण अपनी पुस्तक में दिए हैं, जो किसी मूल स्त्रोत में नहीं मिलते। कारण वही है कि मुहम्मद को मानवता के लिए सर्वोत्तम अनुकरणीय मॉडल बताने में उन के जीवन की असंख्य तफसीलें मुसीबत बन जाती हैं। उन की जीवनी की जिन बातों पर मुसलमान सदियों से गर्व करते रहे, अब वह सामान्य नैतिकता से बड़ी गड़बड़ लगती हैं। विशेषकर, जब मुहम्मद के बाद हुए प्रोफेटों से तुलना करें। इसीलिए, मुस्लिम नेता कुरान की बातों की भी चर्चा करने पर नाराज होते हैं। क्योंकि उस से मुहम्मद की वह छवि सामने आने लगती है, जिसे अब वे छिपाना चाहते हैं। परन्तु मुहम्मद का निजी जीवन छोड़ भी दें कृ यद्यपि जब उन्हें सब के लिए हर विषय में अनुकरणीय बताया तो उन के जीवन की पूरी जानकारी लेना लाजिम हो जाता है। वरना अनुकरण कैसे होगा? कृ किन्तु वह रहने भी दें, तो सभी इस्लामी किताबें मुहम्मद की बड़ाई में उन के युद्ध, हमले, जीत, लूट के माल, उस के बँटवारे, भोग, धमकी, चेतावनी, आदि की ही अधिक चर्चा करती हैं। सो, यह किसी ज्ञानी के बदले प्रायरू किसी योद्धा और शासक की जीवनी रहती है। वह भी किस प्रकार के? ऊपर उद्धृत मुहम्मद की अपनी बताई श्पाँच विशेषताएंश्य ही दिखाती हैं, कि उन के लिए श्आतंकश्य और श्लूट का मालश्य जायज है। विचारशील मुसलमान भी समझते हैं कि ऐसे प्रोफेट को पूरी मानवता के लिए श्अनुकरणीयश्य बताना बेढब है! इसीलिए मुस्लिम नेता और उलेमा मुहम्मद की चर्चा से ही बचना चाहते हैं। पर श्आई लव मुहम्मदश्य ने उस की चर्चा अनिवार्य बना दी। यह अच्छा है। ज्ञान हितकर होता है। विशेषकर मुहम्मद के बारे तो सच्चा ज्ञान सब को होना ही चाहिए। इसलिए भी उल्लेखनीय है कि भूत–भविष्य, लोक–परलोक तो दूर, मुहम्मद को अपने समय की दुनिया की भी पूरी खबर न थी! कुरान की सारी कथाएं केवल यहूदी बाइबिल की बातों के दुहराव हैं। जो तब अरब में प्रचलित थीं। जबकि मुहम्मद के समय भारत, चीन, आदि में बड़े–बड़े बौद्ध व हिन्दू राज्य थे। असंख्य हिन्दू और बौद्ध कथाएं, देवी–देवता, अवतार, धर्म–विचार, महाकाव्य, रामायण, महाभारत जैसी महान पुस्तकें कई पूर्वी देशों में सदियों से प्रतिष्ठित थीं। किन्तु मुहम्मद की तमाम जानकारी बस अब्राहम, यहोवा, जीसस, मेरी, नोआ, गैब्रील, आदि तक सीमित थी! इसीलिए कुरान में ही अनेक उल्लेख दिखाते हैं कि कई अरब भी मुहम्मद की बातों को यहूदियों की कथाओं, बातों की नकल भर समझते थे। (कुरान, 25रू4–5, 6रू25, 83रू13)।

अर्थात, मुहम्मद के प्रोफेट होने का दावा उसी समय अरब में ही संदिग्ध था। इस के असंख्य संकेत कुरान में हैं। बहुत सी अन्य बातें भी धक्का पहुँचाने वाली हैं।

पाकिस्तान विरोधी पॉल कपूर को ट्रंप ने दक्षिण एशिया का प्रभारी बनाकर इस्लामाबाद को झटका दे दिया

नीरज

अमेरिकी विदेश मंत्रालय में दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के लिए भारतीय मूल के प्रोफेसर एस. पॉल कपूर की नियुक्ति न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि भारत के लिए एक बड़ी रणनीतिक राहत के रूप में देखी जा रही है। पॉल कपूर, जो लंबे समय से दक्षिण एशियाई सुरक्षा, परमाणु नीति और आतंकवाद पर अपने कठोर विश्लेषणों के लिए जाने जाते हैं, अब उस पद पर आसीन हुए हैं जहाँ से अमेरिका की भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के प्रति नीतियाँ तय होती हैं। यह नियुक्ति ऐसे समय आई है जब अमेरिकी नीतियों में भारत के प्रति तनाव दिखने लगा थाकृ विशेष रूप से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत शुल्क और व्यापारिक मतभेदों के कारण। ऐसे में कपूर की नियुक्ति अमेरिका–भारत संबंधों के लिए 'कूटनीतिक मरहम' के रूप में मानी जा रही है। कौन हैं पॉल कपूर और क्यों भारत के लिए महत्वपूर्ण हैं? यदि इस पर चर्चा करें तो आपको बता दें कि नई दिल्ली में जन्मे पॉल कपूर भारतीय पिता और अमेरिकी माता के पुत्र हैं। उन्होंने शिकागो विश्वविद्यालय से पीएचडी की है और लंबे समय से अमेरिकी नौसेना के पोस्टग्रेजुएट स्कूल तथा स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के हूवर इंस्टीट्यूशन से जुड़े हुए हैं। वह उन कुछ विद्वानों में से हैं जिन्होंने दक्षिण एशिया की सामरिक राजनीति पर गहरी अकादमिक और व्यावहारिक समझ बनाई है। पाकिस्तान की नीतियों को उन्होंने "राज्य प्रायोजित उग्रवाद" कहा है, न कि अस्थिरता की परिणति। यह दृष्टिकोण अमेरिका के भीतर पाकिस्तान के प्रति एक कठोर रुख की वकालत करता है। कपूर का यह विश्लेषण भारत के लिए राहतकारी है, क्योंकि अब दक्षिण एशिया मामलों में निर्णय–प्रक्रिया ऐसे व्यक्ति के हाथों में है जो पाकिस्तान की "दोहरी नीति" को अच्छी तरह समझते हैं। इससे पहले कपूर ट्रम्प प्रशासन के नीति नियोजन विभाग में काम कर चुके हैं, जहाँ उन्होंने "इंडो–पैसिफिक रणनीति" के निर्माण में भूमिका निभाई थी। यानी वह न केवल एक अकादमिक हैं, बल्कि नीति–निर्माण की मशीनरी से भी भली–भाँति परिचित हैं। उनकी नियुक्ति से यह स्पष्ट संकेत जाता है कि अमेरिका अब दक्षिण एशिया को केवल पाकिस्तान या अफगानिस्तान के संदर्भ में नहीं, बल्कि भारत–केंद्रित दृष्टि से देखना चाहता है। कपूर की नियुक्ति भारत के लिए राहत क्यों है? यदि इस पर चर्चा करें तो हमें यह देखना होगा कि पॉल कपूर का विचार है कि पाकिस्तान का आतंकवादी ढाँचा कोई आकस्मिक तत्व नहीं, बल्कि उसकी "राष्ट्रीय रणनीति" का अभिन्न हिस्सा है। इसका सीधा अर्थ है कि वे अमेरिका के भीतर पाकिस्तान के प्रति किसी "नरमी" के पक्षधर नहीं हैं। उनकी सोच के अनुसार, जब तक इस्लामाबाद आतंकवाद को नीतिगत औजार के रूप में इस्तेमाल करता रहेगा, तब तक दक्षिण एशिया में स्थायी शांति असंभव है। भारत के दृष्टिकोण से यह अत्यंत अनुकूल है, क्योंकि बीते वर्षों में अमेरिका–पाकिस्तान संबंधों में कई बार ऐसे संकेत मिले थे कि वॉशिंगटन इस्लामाबाद को फिर से रणनीतिक महत्व देने लगा है। खासकर अफगान मोर्चे पर। कपूर की उपस्थिति इस संतुलन को भारत की ओर झुका सकती है। दूसरी ओर, 21 अमेरिकी सांसदों ने राष्ट्रपति ट्रम्प को पत्र लिखकर भारत के साथ संबंध सुधारने की

राजनीति में 'सामोसा कॉकस' के रूप में जाने जाते हैं। इन सांसदों ने पत्र में चेतावनी दी है कि भारत पर दंडात्मक शुल्क लगाने की नीति न केवल दोनों देशों के उद्योगों को नुकसान पहुँचा रही है, बल्कि इससे भारत को चीन और रूस जैसे "अमेरिका–विरोधी" देशों के करीब धकेला जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत क्वाड समूह (अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया, भारत) का अहम स्तंभ है और इंडो–पैसिफिक में चीन के बढ़ते प्रभाव का सबसे मजबूत संतुलन है।पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि भारत–अमेरिका का व्यापार दोनों देशों में लाखों नौकरियों को सहारा देता है और कई अमेरिकी कंपनियाँ भारत पर निर्भर हैंकृ चाहे वह सेमीकंडक्टर उत्पादन हो, स्वास्थ्य सेवा हो या ऊर्जा क्षेत्र। सांसदों का कहना है कि "यह टैरिफ नीति अमेरिका के अपने उपभोक्ताओं के लिए भी महँगी साबित हो रही है और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अमेरिकी उद्योग को कमजोर कर रही है।"देखा जाये तो कपूर की नियुक्ति और अमेरिकी सांसदों की चिट्ठी, दोनों घटनाएँ एक साथ यह संकेत देती हैं कि अमेरिकी प्रतिष्ठान के भीतर भारत को लेकर सहमति बन रही है कि नई दिल्ली अब केवल "सहयोगी" नहीं, बल्कि "रणनीतिक अनिवार्यता" बन चुकी है। ट्रम्प प्रशासन की अब तक की नीति, जो कभी चीन पर कठोर और भारत पर अनिश्चित रही, शायद कपूर जैसे विशेषज्ञ के आने से अधिक संतुलित और भारत–पक्षीय हो सकती है। वहीं 21 सांसदों की पहल यह दर्शाती है कि भारतीय–अमेरिकी समुदाय अब अमेरिकी नीति–निर्माण पर प्रभाव डालने की स्थिति में आ चुका है। देखा जाये तो दक्षिण एशिया की जटिल राजनीति में पॉल कपूर का आगमन एक नया मोड़ है। वह ऐसे व्यक्ति हैं जो भारत की चिंताओं को न केवल समझते हैं, बल्कि उन्हें अमेरिकी रणनीति में केंद्रीय स्थान देने की क्षमता रखते हैं। साथ ही, अमेरिकी कांग्रेस में उठी भारत समर्थक आवाजें यह दर्शाती हैं कि वॉशिंगटन में भी अब यह समझ बन रही है कि भारत के बिना एशिया में स्थिरता की कल्पना असंभव है। बहरहाल, कपूर की नियुक्ति और सांसदों की पहल, दोनों मिलकर यह संकेत देती हैं कि भारत–अमेरिका संबंध शायद एक नए "रणनीतिक पुनर्जागरण" के मुहाने पर हैं। यदि इसे सही दिशा में ले जाया गया, तो यह साझेदारी न केवल एशिया, बल्कि वैश्विक शक्ति–संतुलन को भी परिभाषित करेगी।

उत्तर प्रदेश में मिशन शक्ति के तहत 'महिला चौपाल' का भव्य आयोजन

लखनऊ, (संवाददाता)। महिला एवं बाल विकास विभाग, उत्तर प्रदेश शासन के अंतर्गत एकीकृत बाल विकास सेवा (प्ब्वै) द्वारा मिशन शक्ति अभियान के तहत प्रदेश के विभिन्न जनपदों में आज 'महिला चौपाल' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को शासन की योजनाओं, उनके अधिकारों, सुरक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और आत्मनिर्भरता से संबंधित जानकारियाँ प्रदान करना तथा उन्हें समाज में सशक्त भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करना रहा।जनपद मुरादाबाद, बिजनौर, सम्भल, अयोध्या सहित अन्य जिलों के आंगनवाड़ी केंद्रों में आयोजित इस चौपाल में बड़ी संख्या में महिलाएं, किशोरियाँ, आंगनवाड़ी कार्यकत्रियाँ, स्वयं सहायता समूह की सदस्याएं, स्थानीय जनप्रतिनिधि, पुलिस अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, ग्राम प्रधान और समुदाय के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन से हुआ, जिसके बाद विभागीय अधिकारियों ने मिशन शक्ति की रूपरेखा और उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला।जिला कार्यक्रम अधिकारी, अयोध्या ने कहा कि मिशन शक्ति राज्य सरकार की एक महत्वाकांक्षी पहल है, जिसका लक्ष्य महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक और मानसिक रूप से सशक्त बनाना है। उन्होंने बताया कि महिला चौपाल सरकार और समाज के बीच संवाद का सशक्त माध्यम है, जिससे हर महिला तक शासन की योजनाओं की जानकारी पहुँच सके और वह उनका लाभ उठा सके।कार्यक्रम में महिलाओं को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, पोषण अभियान, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ, वन स्टॉप सेंटर, महिला हेल्पलाइन 181, महिला सुरक्षा ऐप, साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना और स्वयं सहायता समूहों से जुड़ने के लाभों के बारे में जानकारी दी गई। महिलाओं को यह भी बताया गया कि राज्य सरकार द्वारा उनकी सुरक्षा, स्वावलंबन और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।एक सत्र में गर्भवती एवं धात्री माताओं को संतुलित आहार, एनीमिया की रोकथाम, प्रसव पूर्व एवं प्रसवोत्तर देखभाल, टीकाकरण, शिशु पोषण और परिवार नियोजन से संबंधित सुझाव दिए गए। किशोरियों को मासिक धर्म स्वच्छता, आयरन सेवन, शारीरिक स्वास्थ्य और शिक्षा के महत्व से अवगत कराया गया। पोषण अभियान के तहत 'सही आहार, सशक्त परिवार' विषय पर संवाद आयोजित किया गया, जिसमें स्थानीय आंगनवाड़ी और आशा कार्यकत्रियों ने पोषक आहार की थाली का प्रदर्शन कर जागरूकता बढ़ाई।महिला चौपाल में पुलिस विभाग और महिला सुरक्षा संगठन के प्रतिनिधियों ने महिलाओं को कानूनी अधिकारों, साइबर अपराध से बचाव, घरेलू हिंसा निवारण अधिनियम और बाल विवाह रोकथाम अधिनियम की जानकारी दी। महिलाओं को प्रेरित किया गया कि किसी भी प्रकार की हिंसा या उत्पीड़न की स्थिति में तुरंत हेल्पलाइन या स्थानीय प्रशासन से संपर्क करें।चौपाल में उपस्थित महिलाओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन उन्हें आत्मविश्वास देते हैं ।

आजम खान जेल में रहे...तब अखिलेश ने नहीं दिखाई हमदर्दी मंत्री सुरेश खन्ना बोले-अब मुस्लिम वोट की नौटंकी

लखनऊ, (संवाददाता)। अयोध्या में प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना दो दिवसीय अयोध्या दौरे पर हैं। यहां उन्होंने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कई राजनीतिक मुद्दों पर बयान दिया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा, अखिलेश यादव की आजम खान से मुलाकात केवल मुस्लिम वोट बढ़ाने की नौटंकी है। जब आजम खान 23 महीने तक जेल में रहे। तब अखिलेश ने कोई हमदर्दी नहीं दिखाई। अब चुनाव नजदीक आते ही दिखावा किया जा रहा है। आजम खान की नाराजगी पहले से ही साफ दिखती रही है। अखिलेश यादव को डर है कि कहीं आजम खान, शिवपाल यादव के साथ मिलकर कोई नया गठबंधन न बना लें। आजम खान को फंसाए जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि जहां जरूरत होगी, कानून अपना काम करेगा। बिहार चुनाव को लेकर उन्होंने दावा किया कि वहां का माहौल एनडीए के पक्ष में है। निश्चित तौर पर बिहार में पूर्ण बहुमत से एनडीए की सरकार बनेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अयोध्या आगमन को लेकर उन्होंने कहा कि आज जो हम यहां आए हैं, यह उसी का क्रिएशन है।?

संक्षिप्त खबरें

150 से 200 चंदा लगाकर बहन जी के मिशन को सुनने पहुंचे समर्थक

लखनऊ, (संवाददाता)। आमतौर पर किसी पार्टी की जनसभा को सुनने वाले समर्थक का खर्च खुद पार्टी उठाती है लेकिन, बीएसपी सुप्रीमो मायावती की जनसभा को सुनने के लिए पार्टी के समर्थक खुद चंदा लगाकर राजधानी लखनऊ पहुंचे। राजधानी के मान्यवर कांशीराम स्मारक स्थल पर बृहस्पतिवार सुबह 9रू00 बजे बीएसपी सुप्रीमो मायावती जनसभा को संबोधित करेंगी। बिहार के भभुआ जिले के रहने वाले दूधनाथ राम ने बताया कि जिले से करीब ढाई सौ की संख्या में समर्थक 150 से 200 रुपये चंदा लगाकर यहां पहुंचे है। बहन जी सत्ता में हो या न हो लेकिन, बहुजन मिशनरी को जिंदा रखने के लिए उनका जीवित रहना ही काफी है। उन्होंने निस्वार्थ भाव से लोगों का विकास किया। उत्तराखंड के नैनीताल से पहुंचे मोहम्मद रहीम ने बताया कि बीएसपी शासनकाल में जितना विकास मुसलमानों का हुआ किसी, भी सरकार में उतना नहीं हुआ है। मुसलमान की सुरक्षा उनकी शिक्षा और रोजगार के लिए बहन जी ने निस्वार्थ भाव से काम किया। गाजीपुर की कलावती देवी बताती हैं बहन जी को भले ही करीब से नहीं देखी हूं लेकिन, उनके प्रति समर्थन आज भी बरकरार है।

महिलाओं के लिए सुरक्षित कार्यस्थल बनाना जिम्मेदारी

लखनऊ, (संवाददाता)। बीबीएयू में यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर आयोजित दो दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का बुधवार को समापन हो गया। मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त जस्टिस राकेश श्रीवास्तव ने कहा कि महिलाओं के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक कार्यस्थल बनाना सबकी जिम्मेदारी है। डीन प्रो. एस. विक्टर बाबू ने कहा कि समाज की सोच बदलने से ही महिलाओं के प्रति अपराध रुक सकते हैं। प्रो. आभा मिश्रा ने भी बात रखी। विशेषज्ञों ने शिकायत निपटान की प्रक्रिया पर व्याख्यान दिए।

डॉ. संजीव चतुर्वेदी की पुस्तक का विमोचन

लखनऊ, (संवाददाता)। डॉ. संजीव चतुर्वेदी की पुस्तक श्श्प्रोफेसर हू सोल्ड हिज हार्ले डेविडसनश्श का विमोचन बुधवार को हजरतगंज स्थित यूनिवर्सल बुकसेलर्स में किया गया। लेखक एवं जर्मन यूनिवर्सिटी ऑफ डिजिटल साइंस (भारत एवं उज्बेकिस्तान) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. संजीव के साथ केकेसी के प्राचार्य प्रो. विनोद चंद्रा ने संवाद किया। कृति का विमोचन सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी प्रभात चतुर्वेदी, बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा, प्रो. विनोद चंद्रा, वरिष्ठ पत्रकार आशुतोष शुक्ल, चंद्र प्रकाश व मानव प्रकाश ने किया।

महिलाओं के लिए योग शिविर

लखनऊ, (संवाददाता)। भागदौड़ भरी जिंदगी में योग बेहद जरूरी है। यह शरीर के साथ मानसिक स्थिति को भी मजबूत करता है। पब्लिक रिसर्च फाउंडेशन व योग सेंटर की ओर से बुधवार को गोमतीनगर के विशाल खंड में महिलाओं के लिए आयोजित निशुल्क जांच और योग चिकित्सा परामर्श शिविर में योगा सेंटर की सीईओ शेफाली बेरी ने ये बातें कहीं। संस्था की अध्यक्ष हर्षिता द्विवेदी ने कहा कि महिलाओं को नियमित रूप से योग जैसी गतिविधियों में हिस्सा लेना चाहिए।

मातृभाषा के रक्षक व समानता के प्रतीक थे बिरसा मुंडा

लखनऊ, (संवाददाता)। सरोजनीनगर स्थित गौतम बुद्ध डिग्री कॉलेज में बुधवार को जनजातीय गौरव विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय के हेड प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि धरती आबा (धरती पुत्र) बिरसा मुंडा ने आदिवासी समाज को संगठित कर अंधविश्वास, शराबखोरी और अन्य कुरीतियों के खिलाफ आंदोलन छेड़ा। वह मातृभाषा के रक्षक और समानता के प्रतीक थे। मुख्य वक्ता डॉ. ज्ञान प्रकाश पटेल ने कहा कि बिरसा मुंडा स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि समाज सुधारक भी थे। कॉलेज प्रबंधक सोमिल कुशवाहा ने कहा कि बिरसा मुंडा का जीवन, संघर्ष और शौर्य का प्रतीक है। डॉ. केएस. राव ने कहा कि उन्होंने जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए जीवन समर्पित किया।

गुरु रामदास के प्रकाश पर्व पर गूंजे शबद कीर्तन

लखनऊ, (संवाददाता)। ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री गुरु तेग बहादुर साहिब यहियागंज, सदर और

शहर के अन्य गुरुद्वारों में बुधवार को सिखों के चौथे गुरु रामदास जी का प्रकाश पर्व मनाया गया। इस दौरान विशेष दीवान सजा और शबद कीर्तन में संगत ने भाग लिया। यहियागंज गुरुद्वारे के सचिव मनमोहन सिंह हैप्पी ने बताया कि डॉ. गुरमीत सिंह के संयोजन में रुद्रपुर से आए भाई गुरविंदर सिंह ने शबद कीर्तन किया। हेड ग्रंथी ज्ञानी परमजीत सिंह ने प्रकाश पर्व की बधाई दी। ज्ञानी गुरमीत सिंह ने बताया कि गुरु रामदास महाराज का जन्म 1534 ईस्वी में दया कौर और हरदास जी के घर लाहौर के चुना मंडी में हुआ था। बचपन में माता–पिता के देहांत के बाद वे नानी के घर में रहने लगे। कम उम्र में ही वे गुरु अमरदास की शरण में चले गए थे। सदर गुरुद्वारे में सुबह विशेष दीवान सजा। ज्ञानी जगजीत सिंह ने गुरु रामदास जी के जीवन व शिक्षाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गुरु रामदास ने अमृतसर नगर की स्थापना की और हरमंदिर साहिब (स्वर्ण मंदिर) की नींव का पत्थर रखा।

हाईकोर्ट ने राजधानी के अस्पतालों के वेंटिलेटर्स का मांगा ब्यौरा, 29 अक्तूबर तक देना होगा सरकार को जवाब

लखनऊ, (संवाददाता)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए, राजधानी के सरकारी मेडिकल संस्थानों व अस्पतालों में उपलब्ध वेंटिलेटर्स का ब्यौरा मांगा है। कोर्ट ने कहा कि किस संस्थान या अस्पताल में कितने वेंटिलेटर उपलब्ध हैं? और कितने की आवश्यकता है, इसका पूरा आंकड़ा दिया जाए । जिससे कोर्ट यह सुनिश्चित कर सके कि जो भी वेंटिलेटर्स उपलब्ध हैं, वे पर्याप्त हैं अथवा नहीं। कोर्ट ने इस मामले में ब्यौरे के साथ हलफनामा दाखिल करने के लिए सरकार और के जी एम यू को और समय देकर मामले की अगली सुनवाई 29 अक्तूबर को नियत की है। न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ल की खंडपीठ ने यह आदेश वी द पीपल नामक संस्था की जनहित याचिका पर दिया है। याचिका में राजधानी के सरकारी संस्थानों समेत अस्पतालों में वेंटिलेटर सुविधा की उपलब्धता का मुद्दा उठाया गया है। कोर्ट ने पिछली सुनवाई पर बीते 13 अगस्त को केजीएमयू के कुलपति समेत एसजीपीजीआई और आरएमएल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइन्सेज के निदेशकों को स्वयं अथवा नामित अधिकारी के द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवायी के दौरान उपस्थित होने को कहा था, जो, बीते मंगलवार को पेश हुए। कोर्ट ने राजधानी के सभी सरकारी मेडिकल संस्थानों और अस्पतालों में उपलब्ध वेंटीलेटर्स का का विस्तृत ब्योरा, हलफनामे पर पेश करने का निर्देश दिया था। अदालत यह सुनिश्चित करना चाहती थी कि अस्पतालों में उपलब्ध वेंटीलेटर पर्याप्त हैं या नहीं।

संक्षिप्त खबरें

मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत बालिकाओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण

लखनऊ, (संवाददाता)। महिला एवं बाल विकास विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय बालिका सप्ताह (3 से 11 अक्टूबर) के अवसर पर प्रदेश की सभी बाल देखरेख संस्थाओं में आज विशेष सेल्फ डिफेंस कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य संस्थाओं में रह रही बालिकाओं को व्यावहारिक आत्मरक्षा कौशल सिखाना तथा उनमें आत्मविश्वास और सुरक्षा की भावना को मजबूत करना था।कार्यशालाओं में प्रशिक्षकों द्वारा बालिकाओं को विभिन्न सरल और प्रभावी आत्मरक्षा तकनीकें सिखाई गईं, जिन्हें किसी भी संकटपूर्ण स्थिति में तुरंत अपनाकर स्वयं की रक्षा की जा सके। साथ ही मानसिक साहस, सजगता और त्वरित प्रतिक्रिया की क्षमता विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया गया। बालिकाओं ने सक्रिय भागीदारी करते हुए सीखा कि कठिन परिस्थितियों में घबराने के बजाय साहस और आत्मविश्वास के साथ कैसे प्रतिक्रिया दी जाती है।महिला एवं बाल विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव लीना जोहरी ने कहा कि बाल देखरेख संस्थाओं में रहने वाली बालिकाएँ पहले ही विपरीत परिस्थितियों का सामना कर चुकी हैं। उन्हें आत्मरक्षा का प्रशिक्षण देना केवल सुरक्षा कवच प्रदान करना नहीं है, बल्कि उनके मनोबल और आत्मविश्वास को बढ़ाने का भी माध्यम है। मिशन शक्ति का लक्ष्य है कि हर बालिका निर्भय होकर अपने सपनों की ओर बढ़ सके।इस कार्यक्रम का महत्व केवल शारीरिक सुरक्षा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह बालिकाओं में आत्मसम्मान, आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास को बढ़ाने का भी साधन बना। मिशन शक्ति के इस प्रयास से बाल देखरेख संस्थाओं की बालिकाओं में आत्मबल और साहस का विकास होगा और उनकी सुरक्षा और अधिक सशक्त होगी।उल्लेखनीय है कि मिशन शक्ति के इस 5वें चरण के दौरान दिनांक 22 सितम्बर से 5 अक्टूबर 2025 के मध्य कुल 13.58 लाख व्यक्तियों को जागरूक किया गया है,।

बागपत और मुजफ्फरनगर के कई जनप्रतिनिधियों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की

लखनऊ, (संवाददाता)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय लखनऊ में आज एक विशेष सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर जनपद बागपत और मुजफ्फरनगर के कई निर्वाचित और पूर्व जनप्रतिनिधियों ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।कार्यक्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव प्रभारी उत्तर प्रदेश अविनाश पांडेय, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय, पूर्व मंत्री एवं पूर्व सांसद कुंवर दानिश अली, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के ज्वाइंट प्रभारी नितिन शर्मा उपस्थित रहे। बागपत के नगर पंचायत रटोल के निर्वाचित एवं नामांकित सभासद मास्टर जी महबूब, आमिर तोमर, नौशाद भाई, उबैदुल्लाह, वाहिद भाई, खालिद चौहान, जीमल भाई, निजारत तोमर सहित पूर्व पार्षद प्रत्याशी जावेद, खालिद, इंतजार और ब्रजपाल कश्यप ने पार्टी में शामिल होकर कांग्रेस का झंडा थामा।इसके साथ ही मुजफ्फरनगर से आम आदमी पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष अकील राणा, युवा विंग के जिला उपाध्यक्ष अजान राणा, महताब राणा, नगर अध्यक्ष जस करण सिंह, नगर उपाध्यक्ष अजय भारद्धाज, महासचिव वारिस राणा और शेखर जोशी ने भी कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की

बच्चे के सर्वांगीण विकास में शिक्षक की अहम भूमिका

लखनऊ, (संवाददाता)। महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि बच्चे की पहली शिक्षिका मां होती है, लेकिन उसके सर्वांगीण विकास में शिक्षक अहम भूमिका निभाते हैं। वे श्री गुरु रामदास जी महाराज के प्रकाश पर्व और लखनऊ गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के 27वें स्थापना दिवस पर बुधवार को खालसा इंटर कॉलेज में आयोजित सम्मान समारोह में बोल रही थीं। अवसर पर मेधावियों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि महापौर ने कहा कि विश्व पटल पर देश का नाम रोशन करने वाले अंतरिक्ष यात्री सुधांशु शुक्ला ने भी सफलता का श्रेय माता–पिता और गुरुओं को दिया। स्वच्छता रैंकिंग में इस बार लखनऊ तीसरे नंबर पर रहा, यह पूरे शहर का सम्मान है। उन्होंने आग्रह किया कि यह शहर हम सबका है, इसे स्वच्छ रखिए। प्लास्टिक का इस्तेमाल कम से कम कीजिए। एलजीपीसी अध्यक्ष और खालसा इंटर कॉलेज के प्रबंधक सरदार राजेंद्र सिंह बग्गा, पार्षद सुशील तिवारी, गिरीश मिश्रा व तजिंदर सिंह ने मेधावी विद्यार्थियों, एनसीसी कैडेटों और कराटे में राष्ट्रीय स्तर पर कॉलेज का नाम रोशन करने वाले छात्रों को सम्मानित किया। लखनऊ गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के महामंत्री व कार्यकारी अध्यक्ष हरपाल सिंह जग्गी ने एलजीपीसी के 27 वर्षों के सफर व उपलब्धियों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि पीलीभीत में 3000 सिखों का जबरन धर्म परिवर्तन किया गया था। उन्होंने स्वयं वहां प्रयासरत रहकर 1000 सिखों की घर वापसी कराई। पार्षद लालकुआं सुशील कुमार तिवारी (पम्मी), मंजीत सिंह दुआ, खालसा इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य वीरेंद्र सिंह, उप प्रधानाचार्य नीरज श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे। संचालन शिक्षक वीके श्रीवास्तव ने किया।

युवा उद्यमियों ने दिग्गजों से सीखे सफलता के गुर

लखनऊ, (संवाददाता)। उद्यम क्षेत्र में अपना सिक्का जमाने के लिए आईआईए की यंग प्रेन्योर सेल की ओर से बुधवार शाम गोमतीनगर के विभूतिखंड स्थित आईआईए भवन में उद्गम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके तहत युवाओं ने इंडस्ट्री के दिग्गजों से उद्यमिता के गुर सीखे। सफल उद्यमियों ने पैनल चर्चा में अपने संघर्ष, जीत–हार के साथ सफल कॅरिअर के अनुभव साझा किए। कार्यक्रम का नेतृत्व आईआईए लखनऊ चौप्टर के यंग प्रेन्योर सेल के कैप्टन दिविर विज ने किया। अतिथियों के साथ उनकी परिचर्चा में सफल उद्यमी व आईआईए के पूर्व अध्यक्ष अनिल गुप्ता ने आजादी के दौर के किस्से सुनाए। कहा कि मैं मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र से जुड़ा था तो इसी दिशा में बढ़ने और देश की सेवा करने की सोची। देश के लिए कुछ करना चाहता था। चुनौतियों के बारे में कहा कि इंस्पेक्टर राज उस दौर में भी था। कई मुश्किलें सामने आईं, पर धैर्य और निरंतरता से उनका समाधान किया। यंग एंटरप्रेन्योर को सीख देते हुए उन्होंने कहा कि अपना लक्ष्य ऊंचा रखना और रिस्क लेने से पीछे न हटना सफलता की पहली सीढ़ी है। सफल एंटरप्रेन्योर रहने के बाद अध्यात्म का पथ अपनाने वाले लेटे हुए हनुमानजी मंदिर के महंत डॉ. विवेक तंगड़ी जी ने श्श्जीवन को संभालना जब असंभव लगेश्श विषय पर मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि संतुलन, आत्मबल और सकारात्मक दृष्टिकोण से सभी मुश्किलों पर विजय पा सकते हैं। डॉ. तंगड़ी ने बताया कि कैसे आप निरंतर आगे बढ़ते रह सकते हैं। कार्यक्रम में 30 से अधिक युवा उद्यमी व विद्यार्थी मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश सरकार 75 जिलों में दिवाली से पूर्व "स्वदेशी मेले" आयोजित करेगी

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी, हथकरघा एवं वस्त्र मंत्री राकेश सचान ने बुधवार को लोक भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में घोषणा की कि उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 की अभूतपूर्व सफलता को देखते हुए अब 09 से 18 अक्टूबर 2025 तक प्रदेश के सभी 75 जिलों में "स्वदेशी मेलों" का आयोजन किया जाएगा। यह पहल आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगी।मंत्री राकेश सचान ने बताया कि हाल ही में ग्रेटर नोएडा एक्सपो मार्ट में आयोजित यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के तृतीय संस्करण में प्रदेश की शक्ति, समृद्ध परंपरा और उत्पादन क्षमता को दुनिया के सामने प्रस्तुत किया गया। इस आयोजन में 2200 से अधिक स्टॉलों में सरकारी विभागों, उद्यमियों, हस्तशिल्पियों, निर्यातकों और कारीगरों ने अपने उत्पादों और योजनाओं का प्रदर्शन किया। लगभग पांच लाख आगंतुकों ने मेले का भ्रमण किया और 11,200 करोड़ रुपये की व्यावसायिक पूछताछ प्राप्त हुई।उन्होंने कहा कि प्रदेशव्यापी स्वदेशी मेलों का उद्देश्य ट्रेड शो की सफलता को जन–जन तक पहुँचाना और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना है। इन मेलों में स्थानीय कारीगरों, उद्यमियों, स्वयं सहायता समूहों, हस्तशिल्पियों और ग्रामीण उद्योगों को अपने उत्पाद प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। यह पहल दिवाली के पूर्व "वोकल फॉर लोकल" अभियान को जन आंदोलन का रूप देने में सहायक होगी।मंत्री ने बताया कि इन मेलों में उद्योग विभाग, खादी एवं ग्रामोद्योग, माटी कला बोर्ड, हथकरघा और वस्त्र उद्योग, रेशम विभाग, ग्रामीण आजीविका मिशन, सीएम युवा, ओडीओपी और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना से जुड़े विभाग एवं संस्थान अपने उत्पादों और योजनाओं का प्रदर्शन करेंगे। स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं अपने उत्पादों की बिक्री करेंगी। संस्कृति विभाग के सहयोग से उत्तर प्रदेश की लोक कला, पारंपरिक संगीत और नृत्य का प्रदर्शन होगा। युवक मंगल दल, नेहरू युवा केंद्र और शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिले में स्वदेशी मेले का उद्घाटन संबंधित प्रभारी मंत्री, सांसद, विधायक और जिला प्रमुखों की उपस्थिति में होगा।

टोंटी और शॉवर चोरी करने के दो दोषियों को छह साल की कैद

लखनऊ, (संवाददाता)। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति के घर में घुसकर 60 टोंटी और छह शॉवर चोरी करने के दो दोषियों मोहम्मद शफीक और मोहम्मद हलीम को एडीजे पीएन त्रिपाठी ने छह–छह साल की कैद और 18–18 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। इस मामले में दोनों आरोपियों ने जेल में रहने के दौरान जेलर के जरिये जुर्म इकबाल करने की अर्जी कोर्ट में भिजवाई थी। इसमें आरोपियों ने स्वीकार करते हुए कहा था कि दोनों से यह अपराध भूलवश हो गया था और आइंदा से कोई अपराध नहीं करेंगे। अभियोजन के अनुसार वादी सदाशिव ने गोमतीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें कहा गया था कि वह हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति राकेश श्रीवास्तव के घर की देखभाल करते हैं। दो जून 2019 को वह किसी कार्य से घर से बाहर गए थे। रात में आठ बजे वह वापस आकर बाथरूम गए तो पाया की वहां लगी सारी टोटियां गायब हैं। इस पर सदाशिव ने पूरे घर का निरीक्षण किया तो पता चला की छह बाथरूम और तीन रसोईघर में लगे कुल 60 टोंटियां गायब थीं। साथ ही चोरों ने घर के नौ दरवाजों के ताले तोड़ दिए थे और छह शॉवर भी चुरा लिए थे।

डीसीएम से टकराई स्कूल वैन, दो छात्र व वैन चालक घायल

लखनऊ, (संवाददाता)। मोहनलालगंज के सिसेंडी मार्ग पर स्थित बांक पुल पर बुधवार की सुबह आठ बजे न्यू पब्लिक इंटर कॉलेज की स्कूल वैन की सामने से डीसीएम से टक्कर हो गई। टक्कर से वैन में बैठे दो छात्र व वैन चालक घायल हो गए। घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वैन चालक की हालत गंभीर बताई गई है। वहीं, हादसे के बाद आरोपी डीसीएम चालक भाग निकला। मोहनलालगंज के नवलखेड़ा गांव निवासी दिलीप यादव का बेटा ध्रुभ यादव (6) और मोहनलालगंज थाना परिसर में रहने वाले सिपाही योगेंद्र सिंह का बेटा सास्वत सिंह (6) मुरलीनगर स्थित न्यू पब्लिक इंटर कॉलेज में केजी के छात्र हैं। बुधवार सुबह वैन चालक गुड्डू यादव दोनों बच्चों को लेकर सिसेंडी से मोहनलालगंज की तरफ स्कूल जा रहा था। बांक पुल के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार डीसीएम की स्कूल वैन से टक्कर हो गई। दोनों वाहनों की टक्कर देख आसपास के लोग मदद के लिए दौड़ कर पहुंच गए। घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामूली रूप से चोटिल सास्वत को प्राथमिक इलाज के बाद घर भेज दिया गया, जबकि घायल ऋषभ व वैन चालक गुड्डू का इलाज चल रहा है। सूचना पर पहुंची मोहनलालगंज पुलिस ने वैन व डीसीएम को कब्जे में ले लिया है। एसीपी मोहनलालगंज रजनीश वर्मा ने बताया कि हादसे के संबंध में कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर केस दर्ज किया जाएगा। घायल बच्चों अभिभावकों का आरोप है की घटना की सूचना देने के बावजूद स्कूल से कोई भी जिम्मेदार अस्पताल हालचाल लेने तक नहीं आया। एसीपी मोहनलालगंज ने बताया कि वैन के सभी कागजात वैध हैं। स्कूल प्रिंसिपल शशि प्रभा का भी यही कहना है कि वैन के सभी कागजात पूरे व वैध हैं और वैन की हालत भी दुरुस्त है। घायल बच्चों के अभिभावकों ने बताया कि शंकर खेड़ा गांव निवासी वैन के चालक गुड्डू के रिश्तेदार की तबीयत खराब होने के कारण वह मंगलवार की पूरी रात अस्पताल में रहे और सो नहीं सके। आरोप है कि बुधवार की सुबह चालक स्कूल पहुंचा और वैन चलाने में असमर्थता जताई, लेकिन स्कूल वाले नहीं माने। मजबूरन चालक बच्चे लेने गया और हादसा हो गया। वैन से 25 बच्चों आते–जाते हैं। बुधवार सुबह वैन चालक एक चक्कर बच्चों को स्कूल छोड़ आया था। दूसरे चक्कर में बचे हुए दो बच्चों को लेकर स्कूल जा रहा था और रास्ते में हादसा हो गया। हादसे के बाद लोग मामूली चोटिल सास्वत सिंह को स्कूल वैन के अंदर ही छोड़कर चले गए। एक राहगीर महिला ने वैन के अंदर अकेले बच्चे को रोता देख उसके आई कार्ड पर लिखे नंबर पर कॉल कर घरवालों को खबर दी। इसके बाद परिजन बच्चे को लेकर अस्पताल पहुंचे।

सड़क किनारे झाड़ियों में मिला युवक का शव,सड़क हादसे में मौत की संभावना

स्कूटी 100 मीटर दूर पुलिया के नीचे मिली, पुलिस जांच में जुटी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। लाइन बाजार थाना अंतर्गत वाजिदपुर तिराहे से आगे कमला नर्सिंग होम के सामने पुलिया के पास गुरुवार शाम एक युवक का शव झाड़ियों के पास मिला।शव मिलने की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को बाहर निकाला।काफी देर बाद उसके पास से मिले आधार कार्ड से इसकी शिनाख्नत नगर कोतवाली थाना क्षेत्र के नखास ओलन्दगंज निवासी शनि कुमार साहू के रूप में हुई है। शव से कुछ दूरी पर एक स्कूटी भी बरामद हुई है। पुलिस आशंका जता रही है कि युवक किसी हादसे का शिकार हुआ होगा, हालांकि हत्या और दुर्घटना दोनों ही पहलुओं से मामले की जांच की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार,शनि कुमार साहू कल रात से घर से लापता था। आशंका है कि किसी वाहन की टक्कर से वे झाड़ियों में गिर गए, जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने परिजनों को सूचित कर दिया है।सूचना मिलते ही मृतक की मां जिला अस्पताल पहुंची मां ने बताया कि उसका बेटा कल रात से घर से लापता है वो शराब पीने का आदि था सराय पोख्तता चौकी के पास बड़ा पांव की दुकान लगाता था। इस मामले में जानकारी लेने पर अपर पुलिस अधीक्षक शहर आयुश श्रीवास्तव ने बताया कि लड़के की। शिनाख्त हो गई है शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है ये लड़का कल रात से गायब था परिजनों द्वारा तहरीर नहीं मिली है।मौके पर शांति व्यवस्था कायम है।घटना कैसे हुई इसके लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जाएगी ताकि यह स्पष्ट हो सके कि युवक वहां कैसे पहुंचा। गौरतलब है कि कुछ माह पहले भी इसी स्थान पर एक शव बरामद हुआ था। इस घटना से स्थानीय लोगों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। नागरिकों का कहना है कि यह नगर का सबसे व्यस्त चौराहा है, जहां बार–बार ऐसी घटनाएं चिंता का विषय हैं। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पाएगा।

संघ शताब्दी वर्ष पर बेंहदर में निकला पथ संचलन

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) संघ शताब्दी वर्ष पर शुक्रवार को बेंहदर के जेपी मेमोरियल विद्यालय बेंहदर में राष्ट्रीय स्वयंसेवकों के एकत्रीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मां भारती की पूजा अर्चना के बाद संघ संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार व गुरु जी के चित्र पर माल्यार्पण कर जिला कार्यवाह तीर्थराज का पाथेय मौजूद स्वयंसेवकों ने प्राप्त किया। जिला कार्यवाह तीर्थराज ने संघ संस्थापक के जीवन परिचय के साथ शताब्दी वर्ष तक संघ के पहुंचने की पूरी यात्रा को विस्तृत बताया। कहा संघ आगे 100 वर्षों की सोच रख निरंतर आगे बढ़ता रहता है। उन्होंने बताया कि शताब्दी वर्ष में संघ ने पंच परिवर्तन का प्रण लिया है जिसमें सामाजिक समरसता, कुटुम्ब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी तथा आत्मनिर्भर। इसी पर शताब्दी के इस पूरे वर्ष भर संघ लगन से काम करेगा। जिसमें समाज को भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। जो राष्ट्र को मजबूती प्रदान करने में सहायक होगी। प्रशासन द्वारा अनुमति प्राप्त निर्धारित रास्तों पर खंड के स्वयंसेवकों ने जेपी मेमोरियल विद्यालय से पथ संचलन की शुरुआत करते हुए बेहदर, कासिमपुर माडर तिराहा होते हुए पथ संचलन निकाला। इस दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवकों का अनुशासन देख कई स्थानों पर पुष्प वर्षा भी ग्रामीणों ने किया। कार्यक्रम में जिला सह कार्यवाह ब्रजमोहन, सह जिला संपर्क प्रमुख रतन, खंड कार्यवाह संजय, स्वयंसेवक रमेश, शिवम, ज्ञान प्रकाश समेत तमाम लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

पीजी कॉलेज समोधपुर में हुआ मिशन शक्ति का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। गांधी स्मारक पीजी कॉलेज समोधपुर, जौनपुर में दिनांक 10अक्टूबर, 2025 को मिशन शक्ति फेज–5 महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान वाद विवाद प्रतियोगिता भी हुई। इसमें छात्र–छात्राओं ने उत्साहित होकर भाग लिया और विविध पक्षों पर अपने विचार रखे।कार्यक्रम में बोलते हुए राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर अरविंद कुमार सिंह ने कहा मिशन शक्ति से महिलाएं सशक्त और स्वावलंबी हो रही है। प्रो.सिंह आधी आबादी के अधिकारों सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन के संदर्भ में विस्तृत चर्चा की।

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विवि में राष्ट्रीय सेवा योजना के पूर्व समन्वयक तथा आई.क्यू.ए.सी.समन्वयक प्रो. राकेश कुमार यादव ने भारतीय इतिहास में वैदिक युग से लेकर आधुनिक युग तक महान स्त्रियों और उनके योगदान को बताया। पुरुष प्रधान समाज के बावजूद महिलाएं प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ी हैं । आज की महिला की हिस्सेदारी राजनीति, इंजीनियरिंग, विज्ञान, तकनीक, खेल में बढ़ी है। मिशन शक्ति से महिला की स्थिति और सशक्त हुई है।

प्रो. लक्ष्मण सिंह ने मिशन शक्ति फेज 5 के संदर्भ में चर्चा करते हुए महिलाओं की सशक्तिकरण पर बल दिया। इसके लिए उन्होंने मिशन शक्ति द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को जरूरी बताया। बी.एड.विभागाध्यक्ष डॉ पंकज सिंह ने वैदिक काल से लेकर आधुनिक काल तक स्त्री की स्थिति पर चर्चा की । उन्होंने कहा कि स्त्री में परिवार के संचालन योग्यता अद्भुत होती है। डॉ अवधेश कुमार मिश्रा ने स्त्री को महान बताया।डॉ मिश्रा ने कहा कि भारतवर्ष में वैदिक काल से ही स्त्री को विशेष स्थान प्राप्त है।डॉ अविनाश वर्मा ने स्त्री को सृजन शक्ति से संपन्न बताया।उन्होंने कहा कि महिलाओं को प्रत्येक स्थिति में सुरक्षा सम्मान मिलना चाहिए।मिशन शक्ति के प्रारंभिक चार चरण सफल रहे हैं ।सत्य प्रकाश सिंह ने स्त्री की पौराणिक स्थिति के बारे में बताया। डॉ आलोक प्रताप सिंह बिसेन ने कहा कि विभिन्न कार्यक्रमों और आयोग के माध्यम से आज की महिला सशक्त हुई है, किंतु हमें ध्यान रखना होगा की इस प्रकार के कार्यक्रमों का दुरुपयोग ना हो।समाजशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष विकास कुमार यादव ने स्त्री शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों के जागरूक होना चाहिए तभी उन्हें सुरक्षा और सम्मान मिलेगा। जितेंद्र कुमार ने कहा वर्तमान समय में महिलाएं प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ी हैं चाहे वह सिविल सेवा हो, डिफेंस हो या फिर खेल। डॉ लालमणि प्रजापति ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा धन्यवाद ज्ञापन हिंदी के विभागाध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने किया । इस अवसर पर डॉ नीलमणि सिंह, डॉ विष्णुकांत त्रिपाठी व बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे ।

दिवाली के अवसर पर स्वदेशी उत्पादों को दे बढ़ावा – राज्यमंत्री

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। शासन के निर्देश के क्रम में उद्योग विभाग के तत्वाधान में बीआरपी इंटर कॉलेज के मैदान में आयोजित यूपी ट्रेड शो स्वदेशी मेला का शुभारंभ शुक्रवार को मुख्य अतिथि राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण विभाग गिरीश चन्द्र यादव , राज्यसभा सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी, जिलाध्यक्ष भाजपा द्वय पुष्पराज सिंह और अजय सिंह, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद जौनपुर श्रीमती मनोरमा मौर्या, जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र सहित अन्य के द्वारा फीता काटकर और दीप प्रज्वलन कर किया गया।

जिलाधिकारी सहित अन्य अधिकारीगण एवं मिशन शक्ति के अन्तर्गत छात्रा मोना के द्वारा मुख्य अतिथि सहित अन्य अतिथिगण को पगड़ी पहनाकर पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्रम तथा का स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया।

अतिथिगण द्वारा 22 विभागों के द्वारा लगाए गए लगभग 50 स्टॉल का अवलोकन किया गया, जिसमें खादी ग्रामोद्योग विभाग, खाद्य एवं प्रसंस्करण विभाग, उद्यान विभाग, खाद्य एवं रसद विभाग, प्रोबेशन विभाग, समाज कल्याण विभाग, उद्योग विभाग सहित अन्य विभाग द्वारा स्टॉल लगाया गया था। स्टॉल पर योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही नामांकन कराया गया। इस दौरान स्वदेशी उत्पादों, दरी, खादी के वस्त्र, अचार, सजावटी सामान, रोजमर्रा की वस्तुएं, दीपक, कुल्हड़, मिट्टी के बने उत्पाद, पूजा सामग्री, स्वयं सहायता की महिलाओं द्वारा बनाये गये सजावटी दीये इत्यादि के स्टॉल लगाए गए थे। कस्टम हॉयरिंग योजना के लाभार्थी विनय को ट्रैक्टर की सांकेतिक चाभी प्रदान की गयी।

प्रशान्त सिंह, अर्चना मौर्या सहित अन्य लाभार्थी को सीएम युवा उद्यमी विकास योजनान्तर्गत सांकेतिक चेक प्रदान किया गया। इसके साथ ही विभिन्न विभागों से लाभार्थी तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली सुनीता आजाद, उषा मौर्या, जया सहानी, कविता सहित अन्य को प्रमाण–पत्र वितरित किया गया।

जिलाधिकारी द्वारा स्वयं भी चाक पर मिट्टी का दीया बनाकर दिवाली पर स्वदेशी उत्पादों, दीया, सजावटी सामानों इत्यादि को खरीदने की अपील की गई।

कंपोजिट विद्यालय की बच्चियों द्वारा मनमोहक सरस्वती वंदना, गणेश वंदना तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के प्रस्तुति दी गई।

राज्यमंत्री जी ने कहा कि आज इस स्वदेशी मेले में 22 विभागों के द्वारा स्टॉल लगाकर स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने और लोगो में जन जागरुकता लाई जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी तथा मुख्यमंत्री जी ने स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का जो संकल्प लिया गया है उसी संकल्प को साकार करने हेतु यह प्रयास किया गया है। राज्यमंत्री ने सभी जनपद वासियों से अपील की है कि दिपावली के शुभ अवसर पर सभी लोग अपने–अपने घरों में स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करे। उन्होंने कहा कि इससे प्रधानमंत्री तथा मुख्यमंत्री के विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब लोग स्वदेशी उत्पादों को प्रयोग करना शुरु करेंगे, जिससे स्थानीय लोगो के कौशल को बढ़ावा मिलेगा और स्वरोजगार के साथ ही रोजगार सजृन होगा। राज्यसभा सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी ने कहा कि इस प्रांगण में विभिन्न स्वदेशी उत्पाद दरी, अचार, खादी के कपड़े इत्यादि के स्टाल लगाए गए हैं जो आज से 18 अक्टूबर तक लगे रहेंगे। उन्होंने सभी से अपील है कि अपने परिवार के साथ इस मेले में आये, स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी करें, स्वदेशी उत्पादों को अपनाएं, इससे स्थानीय लोग जिनके पास हुनर है उनकी कला को बढ़ावा मिलेगा।

जिलाधिकारी ने कहा कि देश को आत्मनिर्भर बनाने हेतु राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने जो संकल्प लिया था उस उद्देश्य को पूर्ण करने हेतु प्रधानमंत्री जी ने सभी से आवाह्न किया है कि देश को आत्मनिर्भर बनाने का जो मार्ग है वह निश्चित रूप से स्वदेशी उत्पादों के प्रयोग से ही संभव है। तभी हम आर्थिक रुप से सशक्त और समृद्ध होंगे। प्रधानमंत्री जी ने तथा मुख्यमंत्री जी ने विकसित भारत तथा विकसित उत्तर प्रदेश 2047 कि संकल्पना को साकार करने का जो निर्णय लिया है उसमें अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए समर्थ पोर्टल पर 12 सेक्टर और तीन थीम पर अपने सुझाव अवश्य दें जिससे जनपद समर्थ पोर्टल पर सुझाव में शीर्ष स्थान प्राप्त कर सके।

मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट ने उपस्थित सभी का आभार व्यक्त किया और धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन सलमान शेख ने किया।

संक्षिप्त खबरें

दीपावली व अन्य पर्व के चलते खाद्य विभाग में चलाया चेकिंग अभियान

अयोध्या। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन व डीएम के निर्देश पर गठित खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के सचल दल ने गुरुवार को दीपावलीध्गोवर्धन एवं भाई दूज के पर छापा मारा अभियान चलाया। इस संबंध में सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय,खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन मानिक चंद्र सिंह ने बताया कि छापामार कार्यवाही में सहायक आयुक्त (खाद्य)।। के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल जिसमें खाद्य सुरक्षा अधिकारी, अजय कुमार सोनी, नन्द किशोर यादव, विवेक कुमार मौर्य के द्वारा ओम इण्डिस्ट्रीज, सरायरासी

दर्शन नगर, अयोध्या से 01 नमूना नमकीन लिया गया तथा रू0 160000/– मूल्य का 800 किग्रा नमकीन जब्त किया गया, श्याम कृपा टेडर्स, हरिपुर जलालाबाद इण्डिस्ट्रियल एरिया से 01 नमूना सेवई, ए0डब्लू0एल0 एग्री बिजनस लिमिटेड, हरिपुर जलालाबाद से 01 नमूना फारचून कच्ची धानी आँयल रू0 1410000/– मूल्य का 705 टीन, (10575 लीटर) का जब्त किया गया एवं डॉ0 पी0के0 त्रिपाठी, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल जिसमें खाद्य सुरक्षा अधिकारी, अनूप सिंह,सुमित चौधरी,शरद पाल के द्वारा राधिका मिल्क एण्ड मिल्क प्रोडक्ट्स प्रा0लि0, हरिपुर जलालाबाद से 01 नमूना पनीर, 01 नमूना डोडाबर्फी का नमूना लिया गया तथा रू0 10050/–मूल्य की 67 किग्रा दूषित मिठाइयाँ नष्ट कराई गयी एवं बी0एल0 रोलर फ्लोर मिल, हरिपुर जलालाबाद से 01 नमूना मैदा का लिया गया तथा रू0 177568/– मूल्य का 5549 किग्रा मैदा जब्त किया गया का नमूना संग्रहित कर जांच हेतु जनविश्लेषक प्रयोगशाला को भेजा गया है। जिनकी जाँच रिपोर्ट प्राप्त होने पर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जायेगी। इस प्रकार दीपावली/गोवर्धन एवं भाई दूज के पर्व पर आमजनमानस को सुरक्षित खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराये जाने के उद्देश्य से चलाये गये विशेष छापेमारी अभियान में आज दिनांक 09.10.2025 कुल 06 नमूने संग्रहित कर जाँच हेतु प्रयोगशाला को भेजे गये हैं।

मैक्स हॉस्पिटल, लखनऊ में जीवनरक्षक वैस्कुलर प्रक्रिया ने दिया नया जीवन, टांग कटने के खतरे से बचा 55–वर्षीय मरीज

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

लखनऊ। आजमगढ़ के एक 55–वर्षीय व्यक्ति को अपना पैर गंवाने का खतरा था, लेकिन, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ, के डॉक्टरों की सूझबूझ, त्वरित कार्रवाई और विशेषज्ञता की बदौलत उनका पैर पूरी तरह से ठीक हो गया है। मरीज कई दिनों से बाएं पैर में गंभीर दर्द, कमजोरी, कालेपन और पैर को उठाने में असमर्थता से जूझने के बाद अस्पताल पहुंचे थे। जब तक वह आपातकालीन विभाग पहुंचे, उनका पैर ठंडा और पीला पड़ चुका था, जो इस बात के संकेत थे कि पैर में रक्त का प्रवाह गंभीर रूप से बाधित हो चुका था। डाक्टरों द्वारा जांच और आगे के परीक्षण, जिसमें एंजियोग्राफी भी शामिल थी, से पता चला कि उसके बाएं पैर की दो प्रमुख धमनियों में – एक कूल्हे के पास और दूसरी घुटने के पीछे – पूरी तरह से रुकावट थी, जिसने पैर तक रक्त की आपूर्ति पूरी तरह

बाधित कर दी थी। तत्काल उपचार न किया जाता, तो पैर काटना ही एकमात्र विकल्प बचता था। मैक्स हॉस्पिटल, लखनऊ, की इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी टीम कृ डॉ. शाहबाज मोहम्मद खान, एसोसिएट डायरेक्टर, और डॉ. स्विस कुमार सिंह, सीनियर कंसल्टेंट कृ ने मरीज और परिवार की काउंसलिंग के बाद, रक्त प्रवाह की रुकावट को दूर करने के लिए एक इमरजेंसी मिनिमल इनवेसिव वैस्कुलर सर्जरी करने का निर्णय लिया।

इस मामले पर जायदा जानकारी देते हुए, डॉ. शाहबाज मोहम्मद खान, एसोसिएट डायरेक्टर– इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ, ने कहा, ष्यह एक बहुत ही गंभीर और पेचीदा मामला था क्योंकि रोगी हमारे पास बंद धमनियों के साथ आए थे। ऐसी स्थितियों में, यदि उपचार में देरी होती है, तो क्षति स्थायी हो सकती है और उनका बायां पैर काटना ही एकमात्र विकल्प बचता है।

हमने ओपन सर्जरी के बजाय मिनिमली इनवेसिव तरीके को चुना, जिसमें कैथेटर–निर्देशित थ्रोम्बोलिसिस, स्टेंटिंग और मैकेनिकल थ्रोम्बेक्टोमी शामिल थे। हमें रुकावट को हटाने और रक्त प्रवाह को जल्दी से बहाल करने की मदद की। प्रक्रिया के तुरंत बाद रक्त प्रवाह सामान्य हो गया, और मरीज फिर से अपना पैर उठा पा रहे थे।

मामले पर आगे जानकारी साझा करते हुए, डॉ. स्विस कुमार सिंह, सीनियर कंसल्टेंट दृ एंडोवास्कुलर और इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ, ने कहा, एक्यूट लिम्ब इस्किमिया जैसे मामलों में, समय पर इलाज शुरू करना एक महत्वपूर्ण बदलाव ला सकता है। एक मिनिमली इनवेसिव तकनीक को चुन कर, हमने ओपन सर्जरी की आवश्यकता के बिना ब्लॉकेज को दूर करने और रक्त प्रवाह बहाल करने के लिए तुरंत कार्रवाई की। ऐसे तरीकों से न केवल रोगियों को तेजी से ठीक होने में मदद करते हैं, बल्कि पैर काटने की आवश्यकता को भी समाप्त कर देते हैं। एक्यूट लिम्ब इस्किमिया के ऐसे मामलों में 8 घंटे से अधिक देरी होने पर 80 फीसदी पैर कटने की संभावना बनी रहती है।

मरीज अब ठीक हैं। यह सर्जरी मैक्स हॉस्पिटल, लखनऊ, की विशेषज्ञता का प्रमाण है कि वह आपातकालीन मामलों के लिए आधुनिक, न्यूनतम इनवेसिव तकनीकों का उपयोग करके रोगियों के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव डालने वाले परिणामों से बचाता है।

कचरा प्रबंधन संगोष्ठी में पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) के द्वारा अन्य वस्तुओं का उपयोगी निर्माण – धर्मेन्द्र कुमार

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) शुक्रवार को डॉ राम मनोहर लोहिया महाविद्यालय, अल्लीपुर, हरदोई में कचरा प्रबंधन (वेस्ट मैनेजमेंट) पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें प्रशिक्षक धर्मेंद्र कुमार द्वारा कचरा प्रबंधन से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी प्रदान की गई।उन्होंने बताया कि जब हम घरों या किसी संस्थान में आवश्यक सामग्री का इस्तेमाल करते हैं तो एक समय ऐसा आता है जब वह वस्तुएं या सामग्री खराब हो जाती है जैसे प्लास्टिक, ट्यूबलाइट ,पॉलिथीन, या कागज या अन्य वस्तुएं उसमें से सब कुछ कुछ वस्तुएं ऐसी होती हैं जिन्हें हम पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) के द्वारा अन्य वस्तुओं का निर्माण कर सकते हैं जैसे प्लास्टिक कांच कागज प्लास्टिक बोतल अवशिष्ट पदार्थ या बचा हुआ भोजन ,इसके लिए हमें विभिन्न प्रकार के कूड़े या कचरे को प्राथमिक स्तर पर अलग–अलग छांटना होता है जिन्हें विभिन्न प्रकार के रंगो के डस्टबिन में रखना होता है।

जिससे पुनर्चक्रण कंपोस्टिंग या सुरक्षित निपटान आसानी से किया जा सके इसके लिए हम लोग कई उपाय अपना सकते हैं कचरे को प्राथमिक स्तर पर ही छांटना इसमें से जैविक अजैविक या पुनर्चक्रण या विषैले कचरे को अलग करना जैविक कचरे का कंपोस्टिंग या बायोगैस जैसे तरीकों से प्रसंस्करण करके खाद्य बनाई जा सकती है या प्लास्टिक धातु कागज ग्लास आदि का पुनर्चक्रण करके पुनः नई वस्तु तैयार की जा सकती हैं। कचरे के सुरक्षित निस्तारण के लिए गड्ढे में दबाना या नियमों के अनुसार जलाना भी एक उपाय हो सकता है जिससे प्रदूषण में कमी आती है इसके लिए सभी को जागरूक होना आवश्यक है।

इस अवसर पर शिवम,शशि देवी ,निहारिका, आकांक्षा, वैष्णवी, सुमन, सुहानी गुप्ता आदि छात्र–छात्राएं तथा डॉ एस के पांडे, डा. रश्मि द्विवेदी , आनंद विशारद ,शुभम मिश्रा ,विवेक आदि शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

परीक्षा सुचारू ढंग से संचालित करने में आयोग के निर्देशानुसार दायित्व का निर्वहन निष्ठापूर्वक करें – जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग प्रयागराज द्वारा आयोजित सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा प्रारंभिक परीक्षा–2025 जनपद में 12 अक्टूबर 2025 को 34 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में संपन्न होना है।

आयोग के निर्देशानुसार जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के नेतृत्व में 34 परीक्षा केंद्रों पर तैनात 50 प्रतिशत आंतरिक कक्ष निरीक्षक एवं 50 प्रतिशत बाह्य कक्ष निरीक्षकों का जनपद में दो स्तरीय प्रशिक्षण 09 अक्टूबर गुरुवार को तिलकधारी सिंह इंटर कॉलेज में संपन्न हुआ। प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स द्वारा विस्तार पूर्वक 1517 कक्ष निरीक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया।

जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र द्वारा उक्त प्रशिक्षण का निरीक्षण करते हुए समस्त कक्ष निरीक्षकों को निर्देशित किया गया कि परीक्षा सुचारू ढंग से संचालित करने में आयोग के निर्देशानुसार दायित्व का निर्वहन निष्ठापूर्वक करें।

प्रथम पाली की परीक्षा पूर्वाह्न 9:30 बजे से 11:30 तक एवं द्वितीय पाली की परीक्षा अपराह्न 2:30 बजे से 4:30 बजे तक संपन्न होगी। अभ्यर्थियों का प्रवेश प्रातः 8:00 बजे से प्रारंभ होगा तथा परीक्षा प्रारंभ होने से 45 मिनट पूर्व प्रवेश द्वार बंद कर दिया जाएगा।

जिलाधिकारी ने सभी से अपील किया कि समर्थ पोर्टल पर विकसित भारत तथा विकसित उत्तर प्रदेश 2047 के संकल्पना को साकार करने हेतु 12 सेक्टर और 03 थीम पर सभी से सुझाव मांगे जा रहे हैं। आप सभी अपने–अपने सुझाव अवश्य दें तथा सभी जनपदवासियों की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए समर्थ पोर्टल पर सुझाव देने में जनपद को शीर्ष पर ले जाने में अपना सहयोग अवश्य प्रदान करें।

प्रशिक्षण में आयोग द्वारा नियुक्त समन्वयक पर्यवेक्षक प्रधानाचार्य सत्य प्रकाश सिंह, सह जिला विद्यालय निरीक्षक, खंड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय एवं राजकीय विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।